दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 138 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

बुधवार 20 अगस्त 2025

डाक- गुरूवार 21 अगस्त 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

प्रथमेश

युद्ध के दौरान मारे गए 383 सहायताकर्मी, गाजा में बड़ी तबाही

संयुक्त राष्ट्र,20 अगस्त। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि 2024 में वैश्विक हॉटस्पॉट में रिकॉर्ड 383 सहायता कर्मी मारे गए, जिनमें से आधे अकेले गाजा में मारे गए. संयुक्त राष्ट्र मानवीय कार्यालय ने मंगलवार को उन हज़ारों लोगों के सम्मान में आयोजित वार्षिक दिवस पर कहा कि 2024 में वैश्विक हॉटस्पॉट में रिकॉर्ड 383 सहायता कर्मी मारे गए. इनमें से लगभग आधे इजराइल और हमास के बीच युद्ध के दौरान गाजा में मारे गए.

संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता प्रमुख टॉम फ्लेचर ने कहा कि रिकॉर्ड संख्या में हत्याएं, संघर्ष में फंसे नागरिकों और उनकी मदद करने की कोशिश कर रहे सभी लोगों की सुरक्षा के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए.

फ्लेचर ने विश्व मानवता दिवस पर एक बयान में कहा, इस पैमाने पर, बिना किसी जवाबदेही के, हमले अंतरराष्ट्रीय निष्क्रियता और उदासीनता का शर्मनाक उदाहरण हैं.

उन्होंने आगे कहा, मानवतावादी समुदाय के रूप में, हम एक बार फिर मांग करते हैं कि सत्ता और प्रभाव रखने वाले लोग मानवता के लिए काम करें, नागरिकों और सहायताकर्मियों की रक्षा करें और अपराधियों को जवाबदेह ठहराएं. गौर करें तो सहायता कर्मी सुरक्षा डेटाबेस साल 1997 से रिपोर्टें संकलित करता आ रहा है.

वाह वाह

लड़का (लडकी से)- मैं तुम्हें एक शेर सुनाता हूं

लड़की- सुनाओ

लड़का- चप्पल टूट जाए तो जुड़ नहीं पाती और अगर

पापा की परी मोटी हो जाए तो उड़ नहीं पाती....

लड़का- प्यार करोगी मुझसे?

लड़की- शक्ल देखी है आईने में अपनी

लड़का- खुद का मुंह चाहे चुहिया जैसा हो

लेकिन लड़का सलमान खान चाहिए....

साय कैबिनेट में अब 14 मंत्री: शपथ लेने वाले 3 नए मंत्रियों को सीएम साय ने दी बधाई

नए मंत्री राजेश, खुशवंत और गजेन्द्र ने ली शपथ

रायपुर,20 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार कैबिनेट में 14 मंत्री बने हैं. राजभवन में आज तीन विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली. राज्यापाल रमेन डेका ने उन्हें पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई. वहीं अब नवनियुक्त मंत्रियों को सीएम साय ने बधाई दी है. उन्होंने कहा कि सभी मंत्रीगण पूरी निष्ठा और लगन से जनता की सेवा कर विकास और सुशासन का सुनहरा अध्याय रचेंगे.

मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि नवनियुक्त मंत्रीगण अपनी समर्पित निष्ठा और कार्यकुशलता के साथ जनसेवा के लिए पूर्ण तत्परता से कार्य करेंगे और छत्तीसगढ़ राज्य को विकास और सुशासन की दिशा में नए आयाम प्रदान करेंगे. उन्होंने सभी मंत्रियों के उज्वल कार्यकाल की मंगलकामना की और कहा कि राज्य सरकार सामूहिक सहयोग और प्रतिबद्धता के बल पर जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी.

बता दें कि राज्यपाल रमेन डेका ने आज सुबह 10:30 बजे राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में गजेन्द्र यादव, राजेश अग्रवाल एवं गुरू खुशवंत साहेब को मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मंत्रीपरिषद के सदस्यगण, विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे.

सी.पी. राधाकृष्णन ने भरा उपराष्ट्रपति का नामांकन... पीएम मोदी, अमित शाह सहित एनडीए के सभी दल रहे मौजूद

नई दिल्ली,20 अगस्त (एजेंसी)। सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित एनडीए के सभी सहयोगी दलों के नेता मौजूद रहे। राधाकृष्णन के नामांकन से एनडीए खेमा पूरी तरह एकजुट दिखाई दिया।

सीपी राधाकृष्णन का जन्म तमिलनाडु में हुआ। वह ओबीसी समाज से आते हैं। एनडीए के पास संख्याबल है। ऐसे में उनका उपराष्ट्रपति के लिए चुना जाना तय है। इस प्रकार वह तमिलनाडु से आने वाले तीसरे उपराष्ट्रपति बन सकते हैं। उन्होंने 1998 में पहली बार लोकसभा का चुनाव जीता था। 2023 में झारखंड के राज्यपाल चुने गए थे। वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं।

नामांकन भरने से सीपी राधाकृष्णन ने महात्मा गांधी और बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, धर्मेंद्र प्रधान, राम मोहन नायडू किंजरापु. एल मुरुगन और भाजपा नेता विनोद तावड़े की मौजूद रहे।

मुंबई में बारिश का कहर, सड़कें डूबी, ट्रेन-फ्लाइट्स प्रभावित, महाराष्ट्र में दो दिन में 14 मौतें

मुंबई ,20 अगस्त (एजेंसी)। मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और जलभराव के कारण स्थिति खराब हो गई। मंगलवार को मुंबई के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात रहे। जगह-जगह पानी भर गया। रेल, बस, हवाई सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। मोनोरेल सर्विस पर भी असर पड़ा। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम छह बजे एक मोनोरेल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई। ट्रेन में मौजूद 500 से ज्यादा यात्रियों को विंडो तोड़कर क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। एमएमआरडीए ने बताया कि भीड़ बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ।

बीते दो दिन में 14 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से आठ नांदेड़ से थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि करीब 500 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। सीएम ने कहर कि इस घटना की जांच करवाई जाएगी मुंबई में पिछले 84 घंटों में 500 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। मूसलाधार बारिश के कारण मुंबई के यातायात की रफ्तार थम गई है।

रेलयात्रा में अब ज्यादा सामान पर छह गुना जुर्माना

जनरल में 35 और एसी कोच में 70 किलो लिमिट, साइज भी देखा जाएगा

नई दिल्ली ,20 अगस्त (एजेंसी)। अब आप ट्रेन के जनरल कोच में 35 किलो तक ही सामान ले जा सकेंगे। वहीं स्लीपर क्लास में 40 किलो और एसी फर्स्ट क्लास में 70 किलो तक की अनुमति है। इसके अलावा यात्रियों को लगेज के साइज पर भी ध्यान देना होगा। अगर सामान का इसका बाहरी माप एक मीटर × एक मीटर × 0.7 मीटर से ज्यादा है, तो इसे भारी माना जाएगा और इसपर चार्ज देना होगा। रेलवे के प्रस्तावित नियमों के मुताबिक यात्रियों को प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अपने सामान को इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीनों से तौलना होगा और अनुमति दी गई वजन सीमा का सख्ती से पालन करना होगा। अगर कोई यात्री तय सीमा से ज्यादा वजन वाला सामान या फिर वजन कम होने के बावजूद बहुत बड़ा सामान ले जाता है, तो उसे अतिरिक्त चार्ज या पेनल्टी देनी होगी।

ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को अब अपने लगेज (बैग और कार्टन) के वजन के साथ उसके साइज पर भी ध्यान देना होगा। अगर बैग हल्का है, लेकिन बड़े साइज और ज्यादा जगह घेरने वाला है, तो टिकट के साथ आपको सामान की बुकिंग भी करानी होगी। अगर आपने लगेज की प्री-बुकिंग नहीं कराई, तो तय शुल्क से छह गुना तक एक्स्ट्रा चार्ज और फाइन भी देना पड़ सकता है। भारतीय रेलवे ने देश के सभी जोन में एंट्री और एग्जिट गेट पर वजन करने वाली मशीनें लगाना शुरू कर दिया है। फिलहाल यह नया नियम कुछ बड़े स्टेशनों जैसे कि कानपुर सेंट्रल, मिर्जापुर, अलीगढ़, प्रयागराज जंक्शन और टुंडला स्टेशन पर लागू किया गया है। रेलवे धीरे-धीरे इसे पूरे देश के प्रमुख स्टेशनों पर लागू करने की तैयारी कर रहा है।

इसरो बना रहा 40 मंजिल ऊंचा रॉकेट, 75000 किलोग्राम भार वाले पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में होगा सक्षम

हैदराबाद ,20 अगस्त (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर अपने दमखम से दुनिया को हैरान करने की तैयारी में है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने घोषणा की कि इसरो एक ऐसा विशाल रॉकेट बना रहा है, जो 40 मंजिला इमारत जितना ऊंचा होगा। जो 75,000 किलोग्राम भार वाले पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने में सक्षम होगा। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। उस्मानिया विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में नारायणन ने कहा कि इस वर्ष इसरो ने कई महत्त्वपूर्ण मिशन तय किए हैं।

इसमें 'नेविगेशन विद इंडिया कॉन्स्टेलेशन सिस्टम (एनएवीआईसी) सैटेलाइट, एन1 रॉकेट और भारतीय रॉकेटों के जरिए अमरीका के 6,500 किलोग्राम वजनी संचार उपग्रह को कक्षा में स्थापित करना शामिल है।

इसलिए खास

विशाल क्षमता- 75 टन का पेलोड ले जाना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। अभी इसरो का सबसे भारी रॉकेट एलवीएम3 है, जो 10,000 किलोग्राम तक का पेलोड लो अर्थ ऑर्बिट में ले जा सकता है। नया रॉकेट इससे सात गुना ज्यादा वजन ले जाएगा। तुलना के लिए, दुनिया का सबसे भारी व्यावसायिक उपग्रह जुपिटर 3 (9,200 किलोग्राम) है, जिसे स्पेसएक्स ने लॉन्च किया था।

स्वदेशी तकनीक- इस रॉकेट में इसरो की स्वदेशी तकनीक का उपयोग होगा, जो भारत की आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग- अमरीका के 6,500 किलोग्राम के उपग्रह को लॉन्च करना भारत की अंतरिक्ष में बढ़ती विश्वसनीयता को दिखाता है।

सैन्य और नागरिक उपयोग- यह रॉकेट सैन्य संचार, पृथ्वी अवलोकन और नेविगेशन जैसे क्षेत्रों में भारत की ताकत बढ़ाएगा।

पुन: उपयोग की संभावना- इसरो पहले से ही नेक्स्ट जनरेशन लॉन्च व्हीकल पर काम कर रहा है, जिसमें पहला चरण पुन: उपयोग योग्य होगा।

जहाज से अरब सागर में गिरे 48 कंटेनर, बहकर किनारे पर आने की आशंका

पालघर पुलिस सतर्क

पालघर,20 अगस्त (एजेंसी)। अरब सागर में एक मालवाहक जहाज से गिरे कुछ कंटेनरों के बहकर आने की आशंका के बारे में उच्च अधिकारियों से संदेश मिलने के बाद महाराष्ट्र की पालघर पुलिस को सतर्क कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के सोमवार को प्रसारित एक संदेश के अनुसार, ओमान में सालाह से कुछ 20 समुद्री मील की दूरी पार करने के बाद 'एमवी फीनिक्स 15' जहाज से 48 कंटेनर गिर गए।

नौवहन महानिदेशालय ने सूचित किया है कि जहाज से कुल 48 कंटेनर समुद्र में गिरे हैं, जिसमें से अब तक आठ बरामद कर लिये गये जबकि अन्य की या तो डूबने या किनारे की ओर बह जाने की आशंका है।

बीएसपी के ब्लॉस्ट फर्नेस में जलाया जाएगा 2000 किलो गांजा, बाजार में कीमत 3 करोड़ से अधिक

दुर्ग ,20 अगस्त (एजेंसी)। अवैध नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए दुर्ग पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। वर्ष 2013 से अब तक जिले में गांजा तस्करों के खिलाफ हुई छापेमार कार्रवाईयों में पुलिस ने लगभग 2000 किलो गांजा जप्त किया है। इसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है।

एसएसपी विजय अग्रवाल के अनुसार जप्त गांजे को सुरक्षित रखने में पुलिस को लंबे समय से परेशानी हो रही थी। अब न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद इसे जल्द ही भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के ब्लास्ट फर्नेस में डालकर नष्ट किया जाएगा। ब्लॉस्ट फर्नेस के अत्यधिक तापमान में जलने से यह गांजा पूरी तरह खाक हो जाएगा और पर्यावरण को भी कोई हानि नहीं होगी। इस प्रक्रिया में पुलिस, न्यायिक अधिकारी और भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन मौजूद रहेंगे ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

पिछले 10 सालों में दुर्ग पुलिस ने कई बार बड़ी मात्रा में गांजा पकड़ा है। यह अवैध माल प्राय: उड़ीसा, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र से ट्रक, कार, बस और यहां तक कि ट्रेनों के जरिए लाया जा रहा था। पुलिस ने लगातार मुखबिर तंत्र और चेकिंग अभियान के जरिए तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करने का काम किया।

औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों के कारण दुर्ग-भिलाई का इलाका नशे के सौदागरों के लिए आसान ठिकाना बन गया था। बड़ी संख्या में तस्कर यहां से होकर गांजा की खेप रायपुर और मध्यप्रदेश तक पहुंचाते थे। पुलिस की लगातार कार्रवाई के चलते तस्करी पर अंकुश लगा है, लेकिन अभी भी कुछ नेटवर्क सक्रिय हैं।

कानून के मुताबिक जप्त नशीले पदार्थों को नष्ट करने के लिए न्यायालय की अनुमति आवश्यक होती है। इसी प्रक्रिया के तहत यह पूरा माल अब ब्लास्ट फर्नेस में जलाया जाएगा। नष्टिकरण के दौरान सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहेंगे।

एसएसपी ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। युवाओं को नशे से बचाने के लिए पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। अब तक दर्जनों तस्करों को जेल भेजा जा चुका है और आगे भी इस अभियान को और तेज किया जाएगा।

छठी पीढ़ी का घातक फाइटर जेट भारत को बना देगा अजेय, चीन की उड़ेगी नींद, थर-थर कांपेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली ,20 अगस्त (एजेंसी)। भारत की हवाई ताक आने वाले वर्षों में विश्व को हैरान कर सकती है। यूरोप का सबसे महत्त्वाकांक्षी रक्षा प्रोजेक्ट एससीएएफ /एफसीएएस (फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम) अब भारत के द्वार तक पहुंच चुका है। यह छठी पीढ़ी का फाइटर जेट मैक 5 स्पीड, लेजर हथियार और एआई तकनीक से लैस होगा, जो भारत को हवाई शक्ति में अजेय बना देगा। फ्रांस, जर्मनी और स्पेन की संयुक्त पहल से विकसित यह छठी पीढ़ी का युद्धक विमान भारत की सामरिक स्थिति को पूरी तरह बदल सकता है। यदि भारत इस प्रोजेक्ट में 'सहभागी देश' के रूप में शामिल होता है, तो यह पाकिस्तान सहित पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ी रणनीतिक चुनौती बन जाएगा। साथ ही, भारतीय वायुसेना को एक और शक्तिशाली हथियार प्राप्त होगा।

यह विमान केवल एक फाइटर जेट नहीं, बल्कि एक 'सिस्टम ऑफ सिस्टम्स' होगा। इसमें नया लड़ाकू विमान (न्यू जेनरेशन फाइटर-एनजीएफ) के साथ-साथ मानवरहित ड्रोन (रिमोट कैरियर्स) भी होंगे। ये सभी कॉम्बैट क्लाउड के माध्यम से रियल-टाइम में जुड़ेंगे और सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे। अर्थात, यह योद्धा आसमान में अकेला नहीं, बल्कि पूरी सेना के साथ उड़ान भरेगा। अगर भारत को एससीएएफ / एफसीएएस जैसा उन्नत लड़ाकू विमान मिलता है, तो यह पाकिस्तान की वायुसेना के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाएगा और चीन की भी चिंता बढ़ाएगा। वर्तमान में पाकिस्तान चीन और अमरीका के पुराने विमानों पर निर्भर है, जबकि भारत के पास पहले से ही राफेल और सुखोई जैसे आधुनिक विमान हैं। यदि एफसीएएस भारतीय वायुसेना का हिस्सा बनता है, तो उसकी हवाई श्रेष्ठता बेजोड़ हो जाएगी। पाकिस्तान के मौजूदा एयर डिफेंस सिस्टम इस जेट की एआई और ड्रोन तकनीक का मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

रजत जयंती वर्ष मनाने निर्धारित कैलेण्डर के अनुसार गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करें विभाग–कलेक्टर

अटल डिजिटल डैशबोर्ड अंतर्गत केपीआई में प्रगति लाने कलेक्टर ने दिए निर्देश, समय सीमा की बैठक में विभागीय कामकाज की हुई समीक्षा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर अजीत वसन्त ने समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाजों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने एक माह से अधिक समय के लम्बित प्रकरणों पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और विभागों को दिए गए निर्देशों के तहत आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा सभी विभागों के लिए कैलेण्डर निर्धारित कर कार्यक्रम का आयोजन के निर्देश दिए गये हैं। कलेक्टर ने कोरबा जिले में रजत जयंती वर्ष के दौरान कैलेण्डर अनुसार गतिविधियों का आयोजन करते हुए व्यापक प्रचार प्रसार के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री वसन्त ने अटल डिजिटल डैशबोर्ड के अंतर्गत शामिल विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कम केपीआई वाले विभागों को महत्वपूर्ण इंडिकेटर्स में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, पीएमजीएसवाय, आबकारी, व्यापार एवं उद्योग, श्रम, नगर निगम, समाज कल्याण विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य, खाद्य विभाग, क्रेडा के अधिकारियों को केपीआई के इंडिकेटर्स को ध्यान रखकर कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी विभाग दिए गए डाटा का परीक्षण कर योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें और प्रगति लाने का कार्य सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने विभिन्न पंचायतों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में खाद्यान्न में गबन करने वाले समूह तथा संचालकों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए राशि वसूली करने अथवा कुर्की की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश एसडीएम को दिए। कलेक्टर श्री वसन्त ने समय सीमा की बैठक में लोक सेवा क्रेंद्र अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा के भीतर निराकरण के निर्देश देते हुए आवेदन प्राप्त होने पर प्रकरण निरस्त नहीं करने और आवेदन को वापस नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने महाप्रबंधक उद्योग विभाग को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों का चयन गुणवत्ता के साथ करते हुए प्रकरणों की स्वीकृति और वितरण में प्रगति लाएं। कलेक्टर ने नगरीय निकाय अंतर्गत आबंटन राशि प्राप्त होने पर संबधित कार्य में राशि व्यय करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ को पीएम जनमन अंतर्गत कार्यों, अन्य निर्माण कर्यों में प्रगति लाने, भुगतान समय पर करने के संबंध में निर्देश दिए।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने सभी विभागों को ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस शनिवार को बाल सम्प्रेक्षण गृह के नये भवन में बच्चों को शिफ्ट कर संचालन प्रारंभ करने के निर्देश महिला एवं बाल विकास विभाग के डीपीओ को दिए। कलेक्टर ने बचे हुए लोगों के आयुष्मान-वयवंदन कार्ड व आधार अपडेशन में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधीक्षिका निवास निर्माण के लिए प्रक्रिया प्रारंभ करने, इलेक्ट्रनिक आटो के लिए अलग से स्टैण्ड बनाने के निर्देश दिए। समय सीमा की बैठक में अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले (प्रशिक्षु आईएएस), सहित सभी एसडीएम, जिला अधिकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की राजस्व विभाग की समीक्षा-कलेक्टर अजीत वसंत ने राजस्व विभग के कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर अविवादित, विवादित नामान्तरण, बंटवारा, खाता विभाजन, सीमांकन, व्यपवर्तन, ई-कोर्ट, राजस्व न्यालय के लंबित प्रकरण, त्रृटि सुधार, नक्शा बटांकन, फौती नामान्तरण, डिजीटल हस्ताक्षर, आधार प्रविष्टि, किसान किताब, मसाहती ग्राम की स्थिति एवं प्रकाशन, गिरदावरी, फज्ञर्मर रजिस्ट्रेशन, वन अधिकार पट्टा सहित अन्य विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विवादित और अविवादित नामान्तरण, खाता विभाजन अंतर्गत प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने त्रृटि सुधार के प्रकरणों को तहसील एवं एसडीएम न्यायालय में दर्ज कर समय पर प्रकरणों के निराकरण करने, आगामी 15 दिवस तक नक्शा बटांकन और फौती नामान्तरण के कार्य को प्राथमिकता में रखकर में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम किसान पंजीयन अंतर्गत खरीफ वर्ष में किसानों के पंजीयन के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने तीन से पांच वर्ष पुराने प्रकरणों पर गंभीरता से कार्यवाही करते हुए तीन सप्ताह के भीतर लंबित प्रकरणों की संख्या शून्य करने के निर्देश दिए।

एसईसीएल कोरबा एरिया में 22 को आंदोलन की चेतावनी

छह सूत्रीय मांगों के पूरा नहीं होने से है आक्रोश

कोरबा। एसईसीएल कोरबा अंतर्गत सरायपाली ओपनकास्ट खदान में रोजगार सहित अन्य मांगों को लेकर कोयला मजदूर पंचायत ने आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन की मांग है कि खदान में कार्यरत मजदूरों को नई आउटसोर्सिंग कंपनी में समायोजित किया जाए। मांग पूरी नहीं होने पर 22 अगस्त को एसईसीएल कोरबा एरिया में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन का ऐलान किया है। कोयला मजदूर पंचायत एचएमएस का कहना है कि बीते 13 जून और 8 अगस्त को दो बार लिखित ज्ञापन देकर स्थानीय कामगारों को नई कंपनी में समायोजन सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर एसईसीएल प्रबंधन को पत्र दिया था। इस संबंध में क्षेत्रीय श्रम आयुक्त बिलासपुर के समक्ष भी शिकायत की थी। लेकिन अब तक प्रबंधन की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं होने से नाराज संगठन ने 22 अगस्त को एसईसीएल कोरबा एरिया महाप्रबंधक कार्यालय में एक दिवसीय घेराव, धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। यह आंदोलन कोयला मजदूर पंचायत एचएमएस के केंद्रीय उपाध्यक्ष गजेंद्र पाल सिंह तंवर के नेतृत्व में होगा। उन्होंने कहा कि छह सूत्रीय मांगों पर कई बार मौखिक और लिखित रूप से चर्चा की गई है, लेकिन एसईसीएल प्रबंधन ने मांगों को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई। इसलिए एक दिवसीय घेराव व धरना प्रदर्शन का निर्णय लिया गया है। इसके बाद भी मांगे पूरी नहीं हुई तो मुख्यालय स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

मेरा रेशम मेरा अभिमान अभियान अंतर्गत सलोरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मेरा रेशम मेरा अभिमान अभियान के अंतर्गत केन्द्रीय रेशम बोर्ड - रेशम तकनीकी सेवा केंद्र (सीएसबी-एसटीएससी), बिलासपुर द्वारा सोमवार 18 अगस्त को ग्राम सलोरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 60 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें अधिकांश महिलाएँ थीं। कार्यक्रम में श्री बी.एस. भंडारी, सहायक संचालक, रेशम, कोरबा ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रतिभागियों को नई तकनीकों को अपनाने हेतु प्रेरित किया तथा विभाग द्वारा हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का मुख्य फोकस तसर रेशम धागा निर्माण एवं गुणवत्ता सुधार पर रहा। कार्यक्रम में श्री अशोक कुमार वैज्ञानिक-बी ने प्रतिभागियों को कोकून की खरीद, ग्रेडिंग, भंडारण, छंटाई, कोसा उबालने, रीलिंग तथा कताई के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। डॉ. हेमलाल साहू, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने च्चसिल्क समग्र-2 योजनाज्ञ की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इसमें केन्द्र एवं राज्य सरकार (80:10) के सहयोग से 90 प्रतिशत सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने प्रतिभागियों को इस योजना का लाभ उठाने तथा केन्द्रीय रेशम बोर्ड द्वारा विकसित नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बुनियाद रीलिंग मशीन एवं मोटराइज्ड स्पिनिंग मशीन का व्यवहारिक प्रदर्शन भी कराया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने गहरी रुचि दिखाई तथा बताई गई तकनीकों एवं तरीकों को अपनाने की इच्छा व्यक्त की।

रोजगार और पुनर्वास की मांग को लेकर भू विस्थापितों ने किया गेट जाम

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू विस्थापित रोजगार एकता संघ ने बरसों पुराने भूमि अधिग्रहण के बदले लंबित रोजगार प्रकरण,मुआवजा, पूर्व में अधिग्रहित जमीन वापसी, प्रभावित गांव के बेरोजगारों को खदान में काम देने,पुनर्वास गांव में बसे भू विस्थापितों को काबिज भूमि का पट्टा देने के सहित 9 सूत्रीय मांगो को कुसमुंडा महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य गेट को बंद करके घेराव शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में भू विस्थापित प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। भू विस्थापितों ने लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी पूर्व में दे दी थी।

एक भारत श्रेष्ठ भारत में शामिल हुए बच्चे

कोरबा (छ.ग.गौरव)। केंद्रीय विद्यालय 3 कुसमुंडा में एक भारत श्रेष्ठ भारत और राष्ट्रीय एकता पर्व मनाया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं संकुल स्तर पर गई। मुख्य अतिथि एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र के महाप्रबंधक और विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एसटी पाटिल थे। विशेष अतिथि प्राचार्य योगेश गुप्ता एवं उपप्राचार्य बी केवेक्टु थे। प्राचार्य गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत और राष्ट्रीय एकता पर्व के अंतर्गत विभिन्न आयोजित प्रतियोगिता जिसमें समूह नृत्य, एकल नृत्य, नाटक, पारंपरिक कहानी वाचन, वाद्य यंत्र वादन, एकल नृत्य, एकल गान, समूह गान, चित्रकला, मूर्ति कला में अपनी अभिव्यक्ति दी। मुख्य अतिथि पाटिल विभिन्न विद्यालय से आए हुए विद्यार्थियों से कहा कि भारत को जोड़े रखना हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। अनेकता में एकता है यही भारत की विशेषता है। आज विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के माध्यम से आगे बढ़ रहे हैं और विभिन्न प्रतियोगिता के द्वारा अपने व्यक्तित्व को निखार रहे हैं। कार्यक्रम में संकुल स्तर के सात केंद्रीय विद्यालय शामिल हुए जिसमें केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 एनटीपीसी, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 बीसीपीपी, केंद्रीय विद्यालय जांजगीर, पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर, केंद्रीय विद्यालय रायगढ़, केंद्रीय विद्यालय सीआरपीएफ बिलासपुर, एवं केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 कुसमुंडा के लगभग 263 विद्यार्थी शामिल हुए।

ब्राम्हण समाज के प्रतिभावान बच्चों को आयुक्त ने किया सम्मानित

सर्व ब्राम्हण समाज द्वारा ब्रम्हवाटिका में आयोजित किया गया सम्मान समारोह

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ब्राम्हण समाज के प्रतिभावान बच्चों को आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने सम्मानित किया। आयुक्त ने बच्चों को उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें और अधिक परिश्रम करने, अपनी प्रतिभा को सही मार्ग व दिशा देने व शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों, विधाओं में भी ज्ञान अर्जित करने एवं अपनी प्रतिभा को निखारने हेतु उनका मार्गदर्शन किया।

सर्वब्राम्हण समाज द्वारा सोमवार को पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप स्थित ब्रम्हवाटिका में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी टीपी उपाध्याय भी उपस्थित थे। सम्मान समारोह के दौरान समाज के ऐसे बच्चों जिन्होंने वर्ष 2025 में कक्षा 10वीं, 12वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित किए व वर्ष 2024 और 2025 में पीएससी, आईआईटी, आईआईएम तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित हुए को सम्मानित किया गया। समारोह में प्रतिभावान बच्चों के माता-पिता, अभिभावकगण भी पहुंचे थे, उन्हें भी शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। आयुक्त ने बच्चों को सम्मानित करते हुए उन्हें अपनी बधाई व शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समारोह में समाज के संरक्षक अशोक शर्मा, कैलाश शर्मा, डॉ.संजय तिवारी, किशोर शर्मा, पार्षद प्रीति शर्मा, दिनेश शर्मा, राजेन्द्र तिवारी, राजकुमारी जोशी, नवलकिशोर सतपथी, प्रदीप पाठक, प्रदीप मिश्रा, के.डी.दीवान, रविन्द्र दुबे, सतेन्द्र दुबे, दशरथ शर्मा, बृजमोहन दुबे, ललित शर्मा, महेन्द्र शर्मा, डॉ.त्रिपाठी, सीपी पाण्डेय, चन्द्र कुमार शर्मा, मूलचंद शास्त्री, भूषण प्रसाद मिश्रा, समाज की महिला प्रकोष्ठ की सदस्या गायत्री नायक, शील तिवारी, मधु पाण्डेय, मनोरमा शर्मा सहित काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चंद्र कुमार शर्मा व मूलचंद शास्त्री तथा भूषण प्रसाद मिश्रा ने पूजा संपन्न कराई।

सर्वब्राम्हण समाज के सचिव डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि सर्वब्राम्हण समाज द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि प्रतिवर्ष समाज के 2 ऐसे बच्चे जो निर्धन परिवार के होंगे। उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होगी। उन बच्चों को समाज गोद लेगा तथा उनकी शिक्षा-दीक्षा व कैरियर निर्माण आदि में आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा। सम्मान समारोह के दौरान जिन बच्चों को सम्मानित किया गया उनमें नितेश मिश्रा, वंशिका उपाध्याय, शिवम शर्मा, प्रकृति दुबे, विवान मुखर्जी, मृदुला तिवारी, ऋषभदेव मिश्रा, ऋषभ मिश्रा, दिव्यांश तिवारी, दिव्या शर्मा, आकृति तिवारी, अद्वितीया मिश्रा, ऋषभ पाण्डेय, दीक्षा दीवान, कान्हा त्रिपाठी, तनमय मिश्रा, अनंत उपाध्याय, अर्पणा उपाध्याय, आराध्या शर्मा आदि बच्चे शमिल थे।

राशिफल

मेष राशि: इस राशि वालों के लिए आज का दिन खुशहाल बना रहेगा। आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में जिससे आप अच्छा लाभ कमाएंगे नवविवाहित दंपत्ति को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिलेगा, जिससे आपको खुशी होगी। आज आप खुद को फिट और ऊर्जावान महसूस करेंगे।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज इलेक्ट्रॉनिक्स के बिजनेस में आपको अच्छा धन लाभ होगा, आप कारोबार को आगे बढ़ाने का विचार कर सकते हैं। इस राशि के शिक्षको का ट्रांसफर उनकी मनपसंद जगह पर हो जायेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको मनपसंद चीज प्राप्त होगी, जिससे आपको खुशी होगी। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आज लवमेट अपने रिश्ते की बात घर पर करेंगे, घरवाले आपके रिश्ते की बात को आगे बढ़ा सकते हैं। आज आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं, जिससे आपका मूड फ्रेश होगा।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज नए बिजनेस को शुरू करने का विचार आपको उत्साहित करेगा। आज आप परिवार के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बना सकते है। दांपत्य जीवन में चल रही अनबन आज खत्म हो जाएंगी, जीवनसाथी खुश होने की वजह देंगे।

सिंह राशि: आज आपका दिन रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज वाहन चलाते समय आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज करीबी दोस्त की वजह से आपको जॉब मिलेगी, इससे आपकी दोस्ती और गहरी होगी। आज कार्यक्षेत्र में बाहरी सलाह से अच्छा है, आप घरवालों की बात को समझे। आज आपके दांपत्य रिश्ते में आपसी तालमेल बना रहेगा। आज विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की अवश्यकता है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप फर्नीचर का सामान खरीद सकते हैं, जिससे घर की रौनक बढ़ जाएगी। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें भाई का पूरा सहयोग मिलेगा। आज बच्चे आपसे मन की बात शेयर करेंगे, आप उनकी बातों को ध्यान से सुने और प्यार से समझाएं।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप कॉस्मेटिक प्रोडक्ट को ऑनलाइन वेबसाइट पर लांच करेंगे, जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। आज ऑफिस में आपके काम से खुश होकर बॉस आपको कोई नया टारगेट दे सकते हैं। आज आप जीवनसाथी के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा बना रहेगा। आज आप अधिकतर कार्यों को पूरा कर लेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आप किसी संस्था के साथ जुड़कर जरूरतमंदों की मदद करेंगे, जिससे उनके जीवन में बदलाव आएगा। आज घर में बड़े बुजुर्गों की सेहत का ध्यान देने की अवश्यकता है।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपने दोस्त की मदद से रुके हुए प्रोजेक्ट को पूरा कर लेंगे। आज आपको बिजनेस डील में बड़ा धन लाभ होगा। आज ऑफिस में आपकी मुलाकात कुछ नए लोगों से होगी, जिनसे मिलकर आपको खुशी होगी। लम्बे समय से चल रही किसी स्वास्थ्य समस्या आज आपको मुक्ति मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आप ऑफिस में कई दिनों से रुका कार्य आज समय से पूरा कर लेंगे। आज घर में किसी खास रिश्तेदार के आगमन से खुशी का माहौल बनेगा। ट्रांसपोर्ट के कारोबारियों को अच्छा लाभ होगा, जिससे आपके मन को संतुष्टि मिलेगी। आज शिक्षकों का प्रमोशन उनकी मनपसंद जगह पर होने की सम्भावना है।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आपको अचानक धन की प्राप्ति होगी, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत बनेगा। आज कार्यक्षेत्र में बड़ों की सलाह लेना आपको व्यापार में अच्छा लाभ दिलाएगी। आज किसी अच्छी कंपनी से आपके लिए जॉब का प्रस्ताव आ सकता है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप अपने सभी जरुरी कार्यों को समय से पूरा कर लेंगे, जिससे आप अन्य कार्यों के लिए भी समय निकाल सकें। आज आप क्रेडिट कार्ड के फिजूल खर्चों से बचेंगे तो आप आर्थिक उलझन से बच जायेंगे। इस राशि के वकील आज किसी क्लाइंट के केस को जीतने में सफल रहेंगे, जिससे उन्हें अच्छा लाभ होगा।

सड़क पर फैलाई निर्माण सामग्री, निगम ने लगाया अर्थदण्ड

आयुक्त ने दिए निर्देश-शहर में गंदगी करने वालों व सड़क, सार्वजनिक स्थल पर निर्माण सामग्री डम्प करने वालों पर लगातार जारी रहे कार्यवाही

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सड़क पर गिट्टी, रेत, ईंट आदि निर्माण सामग्री डम्प करने पर आज एम.पी.नगर मुख्य मार्ग पर स्थित गायत्री ट्रेडर्स पर निगम ने 2500 रूपये का अर्थदण्ड लगाया, वहीं डॉ.हरीश नायक क्लीनिक के सामने गंदगी बिखरी होने एवं सार्वजनिक स्थान सड़क में कचरा डालने पर भी निगम द्वारा 1000 रूपये का अर्थदण्ड आरोपित किया गया। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने शहर के सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, नालियों तथा अन्य स्थानों में गंदगी करने व सड़क पर निर्माण सामग्री डम्प करने वालों पर निरंतर कार्यवाही जारी रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

नगर पालिक निगम कोरबा के कोसाबाड़ी उप जोन प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी सुमित गुप्ता ने बताया कि महाराणा प्रताप नगर मुख्य मार्ग पर स्थित गायत्री ट्रेडर्स के द्वारा सड़क पर निर्माण सामग्री फैलाकर रखी गई थी, जिस पर निगम ने कार्यवाही करते हुए उन पर 2500 रूपये का अर्थदण्ड लगाया तथा कड़ी हिदायत दी कि वे पुनः सड़क व सार्वजनिक स्थल पर निर्माण सामग्री डम्प न करें, अन्यथा अर्थदण्ड के साथ-साथ सामग्री को जप्त करने की कार्यवाही भी की जाएगी। उन्होने बताया कि निहारिका क्षेत्र स्थित डॉ. हरीश नायक क्लीनिक के सामने सड़क पर कचरा डाला गया था तथा गंदगी फैलाई गई थी, इस पर भी निगम अमले ने कार्यवाही की तथा 1000 रूपये अर्थदण्ड आरोपित किया।

सड़क, सार्वजनिक स्थल पर न डालें कचरा व निर्माण सामग्री- आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने पुनः अपील करते हुए कहा है कि सड़क के किनारे व सार्वजनिक स्थल पर निर्माण सामग्री डम्प न करें, इससे आवागमन बाधित होता है, आमनागरिकों को परेशानी होती है, वहीं सड़क व सार्वजनिक स्थल पर कचरा डालने, गंदगी करने पर निगम की साफ-सफाई व्यवस्था व शहर की स्वच्छता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इस दिशा में निगम अमले द्वारा लगातार नजर रखी जा रही है तथा इस पर अर्थदण्ड की कार्यवाही हो रही है, अतः असुविधा से बचने के लिए सड़क, नाली, सार्वजनिक स्थल पर कचरा न डालें, वहीं सड़क व सार्वजनिक स्थान पर सी.एण्ड डी.वेस्ट व निर्माण सामग्री आदि डम्प न करें।

दिल्ली में मुंडका-बक्करवाला गांव टोल प्लाजा पर आगमन पर भव्य रोड शो के दौरान उत्साही भीड़ द्वारा प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

प्रधानमंत्री ने दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं - द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और रोहिणी, नई दिल्ली में शहरी विस्तार सड़क-2 (यूईआर-2) के उद्घाटन समारोह के अवसर पर निर्माण श्रमिकों से मुलाकात की और बातचीत की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के रोहिणी में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के रोहिणी में दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं - द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और शहरी विस्तार सड़क-2 (यूईआर-2) के उद्घाटन समारोह के अवसर पर द्वारका एक्सप्रेसवे का अवलोकन किया।

पुतिन के दिमाग के आगे फेल हुए ट्रंप और पश्चिमी देश! शांति समझौते के बाद भी यूक्रेन के साथ रहेंगे खाली

वॉशिंगटन,20 अगस्त (एजेंसी)। टुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अगर चाहें तो रूस के साथ युद्ध तुरंत समाप्त कर सकते हैं या फिर वे लड़ाई जारी रख सकते हैं। याद कीजिए कि यह कैसे शुरू हुआ था। ओबामा की ओर से दिया गया क्रीमिया वापस नहीं मिलेगा और यूक्रेन का नाटो में शामिल होना भी संभव नहीं है।

अमेरिका के अलास्का में राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई बैठक के बाद अब हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं, जिनमें यूक्रेन अगर शांति समझौता करता है तो भी उसे नुकसान होगा और अगर नहीं करता है तो अमेरिका जैसे अहम सहयोगी का साथ छूटने का डर है। जेलेंस्की भले ही शांति समझौते की संभावनाओं को लेकर खुश हैं, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं अब यूक्रेन के पास बहुत ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं और शांति समझौते के बाद भी यूक्रेन घाटे में ही रहेगा।

सोमवार को व्हाइट हाउस में होनी है अहम बैठक

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की सोमवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे। कई यूरोपीय देशों के नेता भी बैठक के लिए अमेरिका पहुंच रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष सलाहकार स्टीव विटकॉफ ने दावा किया है कि ट्रंप और पुतिन की मुलाकात में यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने पर सहमति बनी है। इसके तहत यूक्रेन को नाटो के अनुच्छेद 5 के तहत सुरक्षा गारंटी मिलेगी। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सुरक्षा गारंटी मिलने पर खुशी जताई लेकिन यूक्रेन, नाटो का सदस्य होगा या नहीं, ये अभी तक स्पष्ट नहीं है। गौरतलब है कि यूक्रेन ने नाटो का सदस्य बनने के लिए ही रूस से युद्ध लड़ा है और इतने साल की लड़ाई के बाद भी यूक्रेन का नाटो में शामिल होना तय नहीं है। टुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अगर चाहें तो रूस के साथ युद्ध तुरंत समाप्त कर सकते हैं या फिर वे लड़ाई जारी रख सकते हैं। याद कीजिए कि यह कैसे शुरू हुआ था। ओबामा की ओर से दिया गया क्रीमिया वापस नहीं मिलेगा और यूक्रेन का नाटो में शामिल होना भी संभव नहीं है। कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं! इतना ही नहीं रूस ने भी सुरक्षा गारंटी देने की मांग कर दी है। रूस ने कहा है कि अगर यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दी जा रही है तो रूस को भी पश्चिमी देश सुरक्षा गारंटी दें।

यूक्रेन को गंवाना पड़ सकता है अपना बड़ा इलाका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो संकेत दिए ही हैं कि रूस के साथ शांति समझौते के लिए यूक्रेन को क्रीमिया से दावा छोड़ना पड़ेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी साफ तौर पर कह दिया है कि यूक्रेन को शांति समझौते के लिए हारे हुए इलाकों को छोड़ना पड़ेगा। हालांकि यूक्रेनी राष्ट्रपति साफ कर चुके हैं कि वे अपने किसी क्षेत्र से दावा नहीं छोड़ेंगे। लेकिन ट्रंप और अन्य यूरोपीय नेता यूक्रेन पर इसका दबाव बना सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यूक्रेन को अपना बड़ा हिस्सा गंवाना पड़ सकता है और रूस जो चाहता था, वो उसे मिल जाएगा। रूस, यूक्रेन के करीब 20 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुका है। यहां रूसी राष्ट्रपति पुतिन की रणनीतिक कुशलता की भी तारीफ करनी होगी कि उन्होंने अलास्का की बैठक में इस तरह से रूस का पक्ष रखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी चारों खाने चित्त हो गए। ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने का वादा किया था। ऐसे में ट्रंप पर भी युद्ध रुकवाने का दबाव है और इस दबाव का सीधा नुकसान बातचीत की मेज पर यूक्रेन को हो सकता है।

तुर्की में जंगल की आग के कारण कई गांव खाली कराए गए

इस्तांबुल ,20 अगस्त (एजें सी)। तुर्की के उत्तर-पश्चिमी प्रांत कानक्काले में भड़की जंगल की आग के कारण पांच गांवों को खाली कराना पड़ा है।कानक्काले के गवर्नर ओमर तोरामन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि आग बुझाने के लिए 11 विमान और 10 हेलीकॉप्टर जमीनी कर्मचारियों के साथ तैनात किए गए हैं।उन्होंने बताया कि तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैल रही थी, इसलिए एहतियात के तौर पर गांवों को खाली करा लिया गया।मौसम रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में हवाएं लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं। इस बीच, तुर्की के कृषि और वानिकी मंत्री इब्राहिम युमाकली ने 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया कि आग पर जल्द काबू पाने के लिए काम किया जा रहा है। इसके लिए बिना किसी रुकावट और पूरी ताकत के साथ काम किया जा रहा है।कोकेली और बर्सा के उत्तर-पश्चिमी प्रांतों के साथ, कानक्काले पिछले एक महीने में अत्यधिक गर्मी, कम आर्द्रता और तेज हवाओं के कारण जंगल की आग से जूझ रहा है।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, युमाकली ने कहा कि कोकेली में शुक्रवार को लगी जंगल की आग पर शनिवार तक काबू पा लिया गया था।इसके अलावा, तुर्की के उत्तर-पश्चिमी प्रांत कोकेली में शुक्रवार को जंगल में आग लग गई, जिससे एक गांव को खाली कराना पड़ा क्योंकि आग घरों के पास पहुंच गई थी।कोकेली के गवर्नर कार्यालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि आग दोपहर के आसपास करमुर्सेल जिले में लगी और तेज हवाओं के कारण तेजी से फैल गई। अक्कत गांव के निवासियों को निकाला जा रहा है।डेमिरोरेन समाचार एजेंसी ने आग की चपेट में आई इमारतों की तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि कई घर नष्ट हो गए और रहने लायक नहीं रहे।गवर्नर कार्यालय ने बताया कि आग बुझाने के प्रयास हवा और जमीन पर जारी है, जिसमें छह विमान, 10 हेलीकॉप्टर, 75 वाहन और 200 कर्मचारी शामिल हैं।बयान में आगे कहा गया है कि शनिवार शाम तक क्षेत्र में हवा की गति 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे निवासियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है।कोकेली, उत्तर-पश्चिमी प्रांतों कानक्काले और बुर्सा के साथ, पिछले महीने अत्यधिक गर्मी, कम आर्द्रता और तेज हवाओं के कारण जंगल की आग से जूझ रहा है।

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमले में 31 लोगों की मौत

खार्तूम ,20 अगस्त (एजेंसी)। स्वयंसेवी समूहों के अनुसार, पश्चिमी सूडान के एल फशर शहर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में कम से कम 31 लोग मारे गए। मृतकों में सात बच्चे और एक गर्भवती महिला भी शामिल हैं। इसके अलावा 13 अन्य घायल हो गए।स्वयंसेवी समूह, सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क ने शनिवार को एक बयान में कहा कि आरएसएफ ने अबू शौक में विस्थापन शिविर को 'जानबूझकर' निशाना बनाकर एक 'जघन्य अपराध' किया है।संगठन ने ये चेतावनी दी है कि एल फशेर की जारी घेराबंदी के कारण दवाइयों, चिकित्सा कर्मचारियों और भोजन की भारी कमी हो गई है, जिससे 'हजारों विस्थापित महिलाओं और बच्चों को धीमी मौत का सामना करना पड़ रहा है।

पुतिन की सेहत की जानकारी न जुटा सकें विदेशी ताकतें, इसलिए अलास्का समिट के दौरान किया गया था खास इंतजाम

मॉस्को,20 अगस्त (एजेंसी)। अलास्का दौरे के दौरान विदेशी ताकतें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेहत की जानकारी न जुटा सकें, इसके लिए खास इंतजाम किए गए थे। उनके सुरक्षा गार्ड उनका मल एकत्र करने के लिए अपने साथ एक खास सूटकेस लेकर गए थे। पुतिन यह तरीका 199 से विदेश दौरों के दौरान अपनाते हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। अलास्का शिखर सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मानव अपशिष्ट (मल) एकत्र करने के लिए उनके सुरक्षा गार्ड शुक्रवार को अपने साथ एक खास तरह का सूटकेस लेकर आए थे। यह सम्मेलन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुआ था। इस अनोखे सुरक्षा इंतजाम का मकसद यह था कि विदेशी ताकतें पुतिन की सेहत के बारे में कोई जानकारी न जुटा सकें। एक्सप्रेस यूएस की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में बताया गया, पुतिन के सुरक्षा गार्ड उनके मल को एकत्र करते हैं, जब भी वह विदेश यात्रा करते हैं और फिर रूस वापस लेकर आते हैं। बैठक के दौरान पुतिन की सुरक्षा के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। उनके चारों ओर सुरक्षा गार्ड मौजूद थे। पुतिन व रूसी खुफिया जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए कई कदम उठाए गए। फ्रांसीसी प्रकाशन पेरिस मैच की खोजी पत्रकार रेजिस जेंटे और मिखाइल रुबिन के हवाले से एक्सप्रेस यूएस ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति की संघीय सुरक्षा सेवा (एफपीएस) के सदस्य उनके अपशिष्ट को एकत्र करते हैं, उसे खास सूटकेस में रखते हैं। इन्हें वह अपने साथ लेकर चलते हैं। एक्सप्रेस यूएस ने बताया कि यह सुरक्षा व्यवस्था कई वर्षों से चली आ रही है। इसमें मई 2017 में पुतिन के फ्रांस दौरा भी शामिल है। बताया जाता है कि इस सुरक्षा उपाय का मकसद विदेशी ताकतों को पुतिन के मल के नमूने लेने से रोकना है। इससे वे उनकी सेहत के बारे में जानकारी जुटा सकते हैं। पत्रकार फरिदा रस्तामोवा ने भी बताया कि वियना दौरे के दौरान भी पुतिन ने यह तरीका अपनाया था, जहां उन्होंने पोर्टेबल टॉयलेट का इस्तेमाल किया था। पुतिन ने यह तरीका 1999 से अपनाया हुआ है, जब से वह रूस का नेतृत्व कर रहे हैं।यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब व्लादिमीर पुतिन (72 वर्षीय) की सेहत को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। पिछले साल नवंबर में कजाखस्तान के अस्ताना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुतिन के पैर झटकने की वजह से चिंता बढ़ी थी। डॉक्टर बॉब बेरीओखिम ने आशंका जताई थी कि यह पार्किंसन जैसी न्यूरोलॉजिकल बीमारी हो सकती है। 2023 में पुतिन को बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंकों से मुलाकात के दौरान भी झटके खाते देखा गया था। 2022 में क्रेमलिन ने एक अफवाह को खारिज किया था कि पुतिन गिरने के बाद खुद को गंदा कर बैठे थे।

भारत-पाकिस्तान की गतिविधियों पर नजर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो बोले- टूट सकता है सीजफायर

वाशिंगटन,20 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच की गतिविधियों पर अमेरिका हर दिन नजर रख रहा है क्योंकि संघर्ष विराम बहुत जल्द टूट सकते हैं। रूबियो ने एक साक्षात्कार में कहा, संघर्ष विराम का एकमात्र तरीका है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गोलीबारी बंद करने पर सहमत हों। रूस अभी तक इस पर सहमत नहीं हुआ है। संघर्ष विराम की एक जटिलता यह है कि इसे बनाए रखना पड़ता है, जो बहुत मुश्किल है। हम हर दिन इस पर नजर रखते हैं कि पाकिस्तान व भारत के बीच क्या हो रहा है, कंबोडिया व थाईलैंड के बीच क्या हो रहा है।उन्होंने कहा, संघर्ष विराम बहुत जल्द टूट सकते हैं, खासकर साढ़े तीन साल से चल रहे युद्ध (यूक्रेन में) के बाद, जैसा हम अभी झेल रहे हैं।

हमारा लक्ष्य एक ऐसा शांति समझौता है जिससे न अभी कोई युद्ध हो और न ही भविष्य में। एक अन्य साक्षात्कार में रूबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को दोहराया कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाया।

यूएन प्रमुख ने बाढ़ में हुई मौतों पर जताया दुख, अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी क्लब में गोलीबारी, तीन की मौत

अमेरिका ,20 अगस्त (एजेंसी)। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के एक भीड़भाड़ वाले क्लब में रविवार तड़के हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई व आठ लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की आयुक्त जेसिका टिश ने संवाददाताओं को बताया कि जांचकर्ताओं का मानना है कि हमलावर ने स्थानीय समयानुसार तड़के करीब साढ़े तीन बजे से पहले एक विवाद के बाद ब्रुकलिन के क्राउन हाइट्स स्थित टेस्ट ऑफ द सिटी लाउंज में कई हथियारों से गोलीबारी की। सभी घायल खतरे से बाहर हैं। एजेंसीइंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर भूकंप के झटके, 29 घायलइंडोनेशिया के पूर्वी भाग में रविवार सुबह लगातार भूकंप के 15 झटके महसूस किए गए। समुद्र के नीचे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.8 थी। इसमें 29 लोग घायल हो गए। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप मध्य सुलावेसी प्रांत में पोसो जिले से 15 किलोमीटर उत्तर में आया। इसके बाद कम से कम 15 झटके महसूस किए गए। इंडोनेशियाई अधिकारियों की तरफ से सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को घोषित किया भारत दिवस

अमेरिकी प्रांत मैसाचुसेट्स ने 15 अगस्त को भारत दिवस घोषित किया है। इसके लिए भारतीय दूतावास ने गवर्नर माउरा टी हीलेय का आभार जताया। भारतीय दूतावास ने कहा कि इस फैसले से भारतीय-अमेरिकी सम्मानित महसूस कर रहे हैं। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यह सम्मान भारतीय-अमेरिकी समुदाय का सम्मान करता है और भारत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मैत्री के बंधन को और गहरा करता है। पाकिस्तान के मंत्री ने फिर बिना सबूत भारतीय विमानों को गिराने का किया दावापाकिस्तान के एक मंत्री ने फिर से बिना सबूत गत मई में दोनों देशों के बीच संघर्ष में छह भारतीय विमानों को गिराने का दावा किया है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने 31 मई को पाकिस्तान के इस दावे को खारिज कर चुके हैं।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"

(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा ग्राम पाली के 295.795 हे. की भूमि का अर्जन सीबीए एक्ट (अर्जन एवं विकास) अधिनियम 1957 के तहत् किय गया है जिसमें लागू सी.आई.एल. (आर एंड आर) पालिसी 2012 के अनुसार घटते क्रम (रकबा में) Concept के आधार पर 147 भू स्वामियों/आश्रितों की पात्रता बनती है जिसमें 01 भूमि स्वामी/आश्रित द्वारा रोजगार हेतु नामांकन पत्र जमा किया गया है, जिसका विवरण अधो लिखित तालिकानुसार है :-

क्रं.	पत्रक-13 अनुसार भूस्वामी का नाम/ पिता का नाम	खसरा नम्बर	कुल रकबा (एकड़ में)	कुल रकबा (हे.में)	उम्मीदवार का नाम (नामांकित व्यक्ति का नाम) एवं खातेदार से संबंध	भूस्वामियों/नामित उम्मीदवार द्वारा जमा किए गए पत्रों में भूस्वामी/उम्मीदवार का नाम			टिप्पणी
						विभिन्न दस्तावेज	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर खातेदार का नाम	विभिन्न दस्तावेज के आधार पर उम्मीदवार का नाम	
1	बन्धन बाई पति निर्मलदास	589/1 590/2	0.32	0.129	बन्धन बाई पति स्व. निर्मलदास	पत्रक 13	बन्धन बाई पति निर्मलदास	बन्धन बाई पति निर्मलदास	खातेदार एवं उम्मीदवार के द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार विभिन्न पत्रों/दस्तावेजों में भिन्न भिन्न नाम एक ही व्यक्ति के है।
						नामांकन	बंधन बाई पति स्व. निर्मल दास	बंधन बाई पति स्व. निर्मल दास	
						सत्यापन	बन्धन बाई पति स्व. निर्मलदास	बन्धन बाई पति स्व. निर्मलदास	
						बी-1 वर्ष (1989-90)	बन्धन बाई पति निर्मल दास	-	
						पी-2 वर्ष (1983-1987)	दयादास	-	
						पत्रक 22	बंधन बाई पति निर्मल दास	बंधन बाई पति निर्मल दास	
						ऋण पुस्तिका	बंधन बाई पति निर्मलदास	बंधन बाई पति निर्मलदास	
						वंशवृक्ष	बंधन बाई पति स्व. निर्मल दास	बंधन बाई पति स्व. निर्मल दास	
						निवास प्रमाण पत्र	बंधन बाई महंत पिता दयादास	बंधन बाई महंत पिता दयादास	
						रोजगार पंजी	बंधन बाई महंत पति स्व. निर्मल दास	बंधन बाई महंत पति स्व. निर्मल दास	
						जाति प्रमाण पत्र	बंधन बाई महंत पिता दयादास	बंधन बाई महंत पिता दयादास	
						आधार कार्ड	बंधन बाई पति निर्मल दास महंत	बंधन बाई पति निर्मल दास महंत	

उक्त भूस्वामी/नामांकित व्यक्ति (उम्मीदवार) के रोजगार या उनके नाम के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की यदि आपत्ति हो तो वे प्रकाशन दिवस से 7 दिनों के अंदर अपना दावा आपत्ति महाप्रबंधक, कार्यालय एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र में प्रस्तुत कर सकते है, दिये गये समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

SECL/25-26/135

स्टाफ अधिकारी (भू-राजस्व), एसईसीएल, कुसमुण्डा क्षेत्र

सम्पादकीय...

बेजवाब मुख्य चुनाव आयुक्त

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के चेहरे पर तल्खी और चिंता की लकीरें पढ़ी जा सकती थीं। वह कुछ गुस्से में भी लग रहे थे। बेशक 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों के बीच उन्हें चुनावी शुद्धता और निष्पक्षता साबित करनी थी, लेकिन अधिकांश समय वह एकालाप की स्थिति में रहे। मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पहली प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपिया सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सिर्फ इतना ही कहा कि 'वोट चोरी' शब्द उचित नहीं है। वे संविधान का अपमान करते हैं। संसद और आम मतदाता के विवेक का अपमान करते हैं।' दरअसल इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उछालने या चुनाव आयोग और भाजपा-आरएसएस की मिलीभगत सरीखे पूर्वाग्रही आरोप लगाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आयोग के कार्यालय में आमंत्रित कर सकते थे, क्योंकि दोनों व्यक्ति संवैधानिक पदों पर आसीन हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त विपक्ष के नेता के आरोपों और उनकी आशंकाओं को सुनते और एक संतोषजनक जवाब देने की कोशिश करते। दुर्भाग्य और विडंबना है कि ऐसा नहीं किया जा सका, बल्कि दोनों ही मैदान में कूद पड़े। यह बिल्कुल भी लोकतांत्रिक नहीं था, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त राजनीतिक जुबां में बोलते रहे कि चुनाव आयोग आरोपों से नहीं डरता। वोटर को अपराधी कहना ठीक नहीं है। चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रख कर सियासत न करें। ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को दो टूक कहा-'या तो सात दिनों में हलफनामा दें अथवा देश से माफी मांगें। तीसरा कोई विकल्प नहीं है।'' दरअसल इस बयान में धमकी भी निहित है। चुनाव आयुक्त से यह अपेक्षा नहीं की जाती। राहुल गांधी की टीम ने क्या अपराध किया है, जो वह देश से माफी मांगें? टीम ने आयोग के दस्तावेजी तथ्यों से 'वोट चोरी' का जो निष्कर्ष निकाला है, उसे चुनाव आयोग ही गलत साबित कर कांग्रेसी टीम को बेनकाब कर सकता था। मुख्य चुनाव आयुक्त ऐसा क्यों नहीं कर पाए? उन्हें हलफनामा ही क्यों चाहिए? भाजपा नेताओं के 'वोट चोरी' के पुराने आरोपों पर हलफनामे क्यों नहीं मांगे गए? चुनाव आयोग तटस्थ, ईमानदार और पारदर्शी नहीं लगता। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हलफनामे को गैर-जरूरी मानते हैं। बहरहाल अब 'वोट चोरी' कमोबेश बिहार विधानसभा चुनाव का मुख्य मुद्दा बन गया है। मताधिकार को संविधान से जोड़ कर नेरेटिव तैयार किया गया है। लोग भ्रमित होकर भावुकता में बह सकते हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव 'वोटर अधिकार यात्रा' पर हैं। चुनाव आयोग की खूब छीछालेदर की जा रही है। हालांकि मुद्दा अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। अगली सुनवाई 22 अगस्त को है। चुनाव आयोग ने इतना जरूर किया है कि जिन 65.64 लाख मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए हैं, उन्हें आयोग की वेबसाइटों पर सार्वजनिक किया गया है। अंतिम संतुष्टि सर्वोच्च अदालत की होगी, क्योंकि अदालत ने इतने नाम काट देने के 'कारण' भी पूछे हैं। शीर्ष अदालत ने इस आशय का अंतरिम आदेश दिया था। अदालत ने स्थानीय भाषा के और अंग्रेजी अखबारों समेत टीवी एवं सोशल मीडिया में अच्छी तरह उनके नाम छापने और प्रसारित करने के आदेश भी दिए थे। चुनाव आयोग को ऐसा ही करना पड़ेगा। 'वोट चोरी' न भी कहें, लेकिन मतदाता सूचियों में गड़बड़ी एक पुरानी और सर्वत्र व्याप्त विसंगति रही है। बेशक मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण किए जाते रहे हैं। चुनाव आयोग को बिंदुवार जवाब देना चाहिए कि बाहरी देशों के कितने अवैध वोटर हैं, जिनके नाम सूची से काट दिए गए हैं।

मन की गति और चंचलता

बाबा हरदेव

मन जीव का सब से महत्त्वपूर्ण और सूक्ष्म उपकरण है और इसका कार्य है सोचना। ये संकल्प भी करता है और विकल्प को भी जन्म देता है। बुद्धि मन के ही संकल्प-विकल्प की समीक्षा करती है और जीव को कर्म करने का निर्णय करने में सहायता प्रदान करती है। जिन महात्माओं का विश्वास है कि शरीर दो प्रकार के होते हैं। स्थूल (जड़) और सूक्ष्म (चेतन), वे फरमाते हैं कि मन का स्थान इन दोनों के बीच है और इसका झुकाव आमतौर पर जड़ शरीर की तरफ रहता है। मगर सद्गुरु की कृपा हो जाती है तो यही मन चेतन के साथ हो लेता है। अत- हजारों वर्षों से धार्मिक लोग मनुष्य को समझाते चले आ रहे हैं कि 'मन' चंचल है और इसकी (मन की) चंचलता बहुत बुरी बात है। निस्संदेह मन चंचल है, लेकिन अगर आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो मन की चंचलता कोई बुरी बात नहीं है, क्योंकि मन की चंचलता इसके जीवित होने का प्रमाण है। अब जहां जीवन है, वहां 'गति' है और जहां जीवन नहीं है वहीं 'जड़ता' है, वहां गति नहीं है। मानो मन की चंचलता मनुष्य के जीवित होने का लक्षण है जड़ होने का नहीं। लेकिन ये 'चंचलता' पागलपन पर आधारित न हो, क्योंकि विक्षिप्त चंचलता शुभ नहीं होती, वो मन जो पागल की भांति भटकता है घातक है। हां! स्वयं गति घातक नहीं है, अत- महात्मा मन की गति और चंचलता के विरोध में नहीं है। मन की जड़ता के खिलाफ जरूर है और विडंबना ये है कि साधारण मनुष्य अभी तक दो तरह की बातें ही जानता है या तो पागल मन की गति के बारे में या फिर किसी भी नाम को बार-बार रटने वाला या माला फेरने वाले आदमी की जड़ता को जानता है। इन दोनों के अतिरिक्त साधारण मनुष्य कोई तीसरी चीज नहीं जानता मन के संबंध में। यानी गतिमान चित सार्थकता आबद्ध चित के बारे में इसे कुछ पता नहीं होता है। अत- महात्मा फरमाते हैं कि मन ऐसा चाहिए कि गतिमान हो, लेकिन विक्षिप्त न हो। अब सवाल पैदा होता है कि ऐसा मन कैसे पैदा हो? इस संदर्भ में पहली बात तो यह है कि मन की चंचलता के प्रति मनुष्य में अत्याधिक विरोध का जो भाव है, वो उचित नहीं है और न ही अनुग्रहपूर्ण और न ही कृतज्ञतापूर्ण है, क्योंकि अगर मन गतिमान न हो और चंचल न हो तो हम को न मालूम किस कूड़े-कर्कट पर उलझा दें और इस सूरत में हमारा जीवन वहीं समाप्त हो जाए, लेकिन अगर सही मायनों में सोचा जाए तो 'मन' मनुष्य का बड़ा साथी है। ये हर जगह से मनुष्य को उबार देता है और आगे के लिए गतिमान कर देता है। उदाहरण के तौर पर एक आदमी धन इकट्ठा करता है। यश, प्रतिष्ठा और पदार्थ प्राप्त करता है। अब ये कितना ही धन इकट्ठा कर ले यश, प्रतिष्ठा और पद प्राप्त कर ले, मनुष्य का मन पूर्ण तौर पर राजी नहीं हो पाता, मन लगातार इनकार करता चला जाता है कि इतने से तो कुछ भी नहीं होगा। मानो मन कहता है 'और लाओ' और अगर धन, यश, प्रतिष्ठा और पद में और वृद्धि होती चली जाए, तब भी मन कहता चला जाता है 'और लाओ' 'और लाओ'। मन कभी तृप्त नहीं होता। ये मन की अतृप्ति बड़ी अद्भुत है और अगर अतृप्ति न हो तो दुनिया में कोई आदमी आध्यात्मिक नहीं हो सकता। मिसाल के तौर पर अगर महात्मा बुद्ध का मन तृप्त हो जाता, उस धन-दौलत से जो उनके घर में उपलब्ध थी तो फिर बुद्धि के जीवन में आध्यात्मिक क्रांति नहीं हो सकती थी, लेकिन उनका मन अतृप्त रहा और इन चीजों से वो तृप्त न हुआ।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

जगत प्रकाश नड्डा

भारत के आदिवासी समुदाय, जो कि कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत हैं, राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के मूल तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर भी, इन समुदायों के कई व्यक्ति जानकारी के अभाव में सिकल सेल नामक अनुवांशिक बीमारी से जूझ रहे हैं। दशकों से इस बीमारी ने उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी गहरा असर डाला है, और यह बीमारी भौगोलिक अलगाव एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच के कारण और भी जटिल हो गई है। इस गंभीर आवश्यकता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में जुलाई 2023 में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की। इस मौलिक पहल का उद्देश्य न केवल सिकल सेल के आनुवांशिक संचरण का उन्मूलन करना है, बल्कि इस रोग से प्रभावित लाखों लोगों के सम्मान और स्वास्थ्य को भी बहाल करना है।

सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है, जिससे उनकी ऑक्सीजन वहन करने की क्षमता कम हो जाती है और धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं उत्पन्न होने लगती हैं। आदिवासी जनसंख्या के बीच इसका प्रभाव विशेष रूप से गहरा है, क्योंकि वे इस आनुवंशिक बीमारी से असमान रूप से प्रभावित होते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज एस्टिमेट्स (2021) रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति वर्ष अनुमानित 82,500 बच्चों का जन्म सिकल सेल रोग के साथ होता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने इस संकट से निपटने के लिए आधार तैयार किया और इसकी विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर ज़ोर इसी के आधार पर, केंद्रीय बजट 2023 में एनएससीईएम की घोषणा की गई, जिसमें वित्त वर्ष 2025-2026 तक 40 वर्ष से कम आयु के 7 करोड़ व्यक्तियों की मिशन मोड में जाँच करने का लक्ष्य रखा गया। कार्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत क्रियान्वित किया गया, जिससे यह विश्व स्तर पर सबसे बड़े जनसंख्या-आधारित आनुवंशिक जाँच कार्यक्रमों में से एक बन गया है। इस मिशन का उद्देश्य 2047 तक एससीडी के आनुवंशिक संचरण को समाप्त करना और पहले से ही इससे पीड़ित लोगों को व्यापक देखभाल प्रदान करना भी है।

पहले दो वर्षों में, स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्यों के संयुक्त प्रयासों से इस मिशन के अंतर्गत उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं। 31 जुलाई 2025 तक, 17 उच्च-व्यापकता वाले राज्यों के 300 से अधिक जिलों में 6.07 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है। जांच किए गए व्यक्तियों में से 2.16 लाख रोगग्रस्त पाए गए, जबकि 16.92 लाख को वाहक के रूप में पहचाना गया। विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 95त्न मामले केवल पाँच राज्यों—ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र—में केंद्रित हैं।

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के नवापारा की एक युवा आदिवासी लड़की मीना की कहानी इस मिशन के सकारात्मक प्रभाव का प्रतीक है। जांच अभियान के दौरान नैदानिक परीक्षण किए जाने पर, मीना को निकट के एक उप-स्वास्थ्य केंद्र में नामांकित किया गया। प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम और आशा कार्यकर्ता ने यह सुनिश्चित किया कि उसे नि:शुल्क हाइड्रोक्सीयूरिया औषधि समय पर मिलती रहे, जिससे सिकल सेल रोग के लक्षणों में उल्लेखनीय कमी आई। आज, मीना पहले से कहीं अधिक स्वस्थ है और अपने समुदाय में आनुवंशिक रोगों के परामर्श में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

स्क्रीनिंग प्रयासों में तेज़ी लाने के लिए, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा अनुमोदित पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक उपकरणों को लगाया गया है। शुरुआत में इनकी संख्या केवल तीन तक सीमित थी, जो अब बढ़कर 30 से अधिक हो गई है। इससे प्रति किट लागत ?100 से घटकर ?28 हो गई है। इस पहल ने एससीडी के लिए लागत-प्रभावी और कुशल डायग्नोस्टिक क्षमताएँ सुनिश्चित की हैं।

इस मिशन का कार्यान्वयन केवल स्क्रीनिंग पर केंद्रित नहीं है; यह एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों की समग्र देखभाल को भी प्राथमिकता देता है। मिशन के अंतर्गत प्रबंधन हस्तक्षेपों में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ, आवश्यक दवाओं और निदान तक पहुँच शामिल है। सिकल सेल रोग के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख दवा, हाइड्रॉक्सीयूरिया, को राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची (ईडीएल) में शामिल किया गया है और अब यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक इसकी पहुँच सुनिश्चित होती है।

यह मिशन सिकल सेल रोग के उन्मूलन की प्रमुख रणनीतियों के रूप में आनुवंशिक परामर्श और जन जागरूकता पर भी ज़ोर देता है। अब तक 2.62 करोड़ से अधिक आनुवंशिक स्टेटस कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे लोगों को उपयोगी स्वास्थ्य जानकारी प्राप्त हुई है। ये कार्ड परामर्श और उचित निर्णय लेने का एक प्रभावी माध्यम बन गए हैं, जो परिवारों को ऐसे विकल्प चुनने में मदद करते हैं जिनसे आनुवंशिक संचरण का जोखिम कम हो सकता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों और जनजातीय कार्य मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहायता के आधार पर, पंद्रह स्वास्थ्य परिचर्या संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए चुना गया है। ये संस्थान प्रसवपूर्व निदान और गंभीर सिकल सेल रोग जटिलताओं के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे जोखिम वाले परिवारों को विशेष परिचर्या सुनिश्चित की जाती है। इसके अतिरिक्त, अक्टूबर 2024 में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को सिकल सेल रोग प्रबंधन की जटिलताओं का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान किए गए हैं। मिशन की सफलता संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसके तहत स्वास्थ्य मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को भी शामिल किया गया है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

त्रासदी जलवायु परिवर्तन या पारिस्थितिकी से खिलवाड़

अजीत द्विवेदी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में धराली गांव के बह जाने की घटना का वीडियो भयावह है। पूरा देश उस वीडियो को देख रहा है और चिंतित हो रहा है कि आखिर यह सब क्या हो रहा है! जिनको जलवायु परिवर्तन या पारिस्थितिकी से खिलवाड़ के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है वे भी कह रहे हैं कि अब कुछ करना होगा। हालांकि यह तात्कालिक प्रतिक्रिया है श्मशान वैराग्य की तरह। क्योंकि अगर सरकारों और नागरिक समाज को चेत जाना होता तो 2013 का केदारनाथ हादसा उसके लिए बहुत था। उसके बाद तो पहाड़ों पर खास कर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में सब कुछ रोक कर प्रकृति के साथ की गई ज्यादतियों को ठीक करने की मुहिम शुरू हो गई होती।

आखिर उस पैमाने की त्रासदी तो पहाड़ों में कभी देखी नहीं गई थी। यह जरूर है कि 1952 में भयानक बारिश के बाद उत्तराखंड का एक पूरा कस्बा तबाह हो गया था लेकिन 2013 के केदारनाथ हादसे में जितने लोग मरे उतने तब भी नहीं मरे थे। केदारनाथ हादसे में आधिकारिक रूप से छह हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई और करीब चार हजार लोग अब भी लापता हैं। लेकिन हम लोगों ने उससे भी कोई सबक नहीं लिया। थोड़े दिन के शोक और गुस्से के बाद सब कुछ पहले की तरह चलता रहा।

अब उत्तरकाशी में खीरगंगा नदी के ऊपर बादल फटा या हैंगिंग ग्लेशियर टूट कर गिर गया, जिससे अचानक आई बाढ़ के पानी के साथ आए मलबे में पूरा धराली कस्बा बह गया तो फिर चौतरफा चर्चा शुरू हो गई है और हर व्यक्ति कहने लगा है कि प्रकृति से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। लेकिन सवाल है कि क्या अब खिलवाड़ रूक जाएगा? क्या पहाड़ों में पनबिजली की परियोजनाएं नहीं बनेंगी? क्या नदियों का रास्ता मोड़ उनके प्राकृतिक प्रवाह को बाधित नहीं किया जाएगा? क्या पहाड़ों पर बड़े बड़ बांध नहीं बनाए जाएंगे? क्या पहाड़ों पर टूरिस्ट स्पॉट नहीं विकसित होंगे और नए रिसॉर्ट नहीं बनेंगे? क्या पहाड़ों में विकास की गतिविधियों के नाम पर अनाप-शनाप पेड़ों की कटाई बंद हो जाएगी? क्या अंधाधुंध खनन बंद हो जाएगा?

लिख कर रख लें, इसमें से कुछ नहीं होगा। धराली की घटना के बाद भी सब कुछ पहले की तरह चलता रहेगा। थोड़े दिन का पॉज होगा और उसके बाद फिर वही किस्सा। चाहे जोशीमठ में मकानों में दरार आ जाए या कहीं सुरंग धंस जाए, कहीं बादल फटे, कहीं भूस्खलन हो या कहीं बाढ़ आ जाए उससे नदियों, पहाड़ों, जंगलों का अंधाधुंध शोषण करने वालों पर कोई फर्क नहीं पड़ता है।

सबको पता है कि अचानक पहाड़ों पर इतने बादल क्यों फटने लगे हैं और सबको यह भी पता है कि इतना भूस्खलन क्यों हो रहा है। लेकिन सबने आंखें मूंद रखी हैं। जिनकी जिम्मेदारी इसको ठीक करने की है वे अंधाधुंध निर्माण, जंगलों की कटाई, उत्खनन, बांध आदि को विकास बता कर अपनी पीठ ठोक रहे हैं। उत्तराखंड या हिमाचल प्रदेश में पहाड़ पर बादल फटने और फ्लैश फ्लड यानी अचानक बाढ़ आने के कई कारणों में से एक कारण यह भी है कि मानसून का सीजन लगातार सिमटता जा रहा है। पहले चार महीने का मानसून सीजन होता था लेकिन अब यह महज दो महीने का रह गया है। एकाध अपवाद छोड़ दें तो मानसून दो महीने में समाप्त हो रहा है। जितनी बारिश होनी है इन दो महीनों में होती है।

सरकार तो इस आंकड़े पर आंख मूंद कर यकीन करती है कि सामान्य बारिश हुई या सामान्य से थोड़ी कम या ज्यादा बारिश हुई। लेकिन सामान्य बारिश यानी सौ फीसदी बारिश अगर दो ही महीने में हो रही है तो उसका नुकसान तो होगा। इसका कारण जलवायु परिवर्तन है। बारिश और सर्दियों का सीजन चार महीने में खत्म हो जा रहा है और आठ महीने गर्मी पड़ रही है। अगर प्रकृति के चक्र को ठीक करने का प्रयास नहीं हुआ तो स्थिति और बिगड़ती जाएगी। पहली औद्योगिक क्रांति के बाद से पृथ्वी ढाई फीसदी ज्यादा गर्म हो चुकी है और अगले 25 साल में दो फीसदी और गर्म हो सकती है। इसका मतलब है कि धरती को पहले बुखार हुआ और अब बुखार बढ़ रहा है, जिससे उसकी सेहत खराब हो रही है। जैसे बुखार आदमी के शरीर को तोड़ता है वैसे ही सामान्य से चार फीसदी ज्यादा तापमान धरती के शरीर को तोड़ देगा और उसे ठीक करना इंसान के वश में नहीं रह जाएगा।

बहरहाल, अचानक बादल फटने का एक कारण मैदानी इलाकों में वन क्षेत्र में लगातार आ रही कमी है। वैसे तो पहाड़ों पर भी जंगल काटे जा रहे हैं लेकिन मैदानी इलाकों में जंगल की कटाई इस रफ्तार से हो रही है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। समूचे उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में जंगल साफ होते जा रहे हैं और उनकी जगह कंक्रीट के जंगल खड़े हो रहे हैं। औद्योगिक निर्माण हो रहे हैं और हाउसिंग सोसायटीज बन रही हैं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली, हरियाणा से जाकर बड़ी संख्या में लोग घर, फ्लैट और जमीन खरीद रहे हैं। वे उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में साफ हुए जंगल की जगह अपने फार्म हाउसेज बना रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि आसमान में जब बादल बनते हैं तो उनके बरसने के लिए मानसून की हवाओं को मैदानी इलाकों में अनुकूल हालात नहीं मिलते हैं। मैदानी इलाकों में वन क्षेत्र की कमी के कारण बादल पहाड़ों पर बरसते हैं या फटते हैं, जिससे अचानक बाढ़ आ जाती है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

असल में महंगाई घट रही है?

मुद्रास्फीति दर का घटना तब मांग को प्रोत्साहित करता है, जब आम आमदनी भी बढ़े। ऐसा होने का संकेत नहीं है। फिर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर बढ़ रही चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से ताजा राहत अल्पकालिक साबित हो सकती है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर जुलाई में आठ साल के सबसे निचले स्तर- यानी 1.55 प्रतिशत रही। खाद्य पदार्थों की महंगाई दर को अलग कर दें, तो कोर यानी मुख्य मुद्रास्फीति दर 4.1 फीसदी रही, जो जून में 4.4 प्रतिशत थी। यानी कुल मिलाकर महंगाई बढ़ने की दर में गिरावट का ट्रेंड है। बहरहाल, इससे यह धारणा नहीं बननी चाहिए कि असल में महंगाई घट रही है। ताजा सरकारी आंकड़े सिर्फ यह कहते हैं कि महंगाई अब पहले की तुलना में कम तेजी से बढ़ रही है। महंगाई दर जुलाई 2024 में जिस स्तर पर थी, अब उससे 1.55 प्रतिशत ऊपर है, लेकिन चूंकि पहले महंगाई इससे काफी अधिक तेजी से बढ़ रही थी, इसलिए इस दर में आई गिरावट को राहत की खबर समझा गया है।

बहरहाल, असल सवाल यह है कि क्या इससे आम उपभोग में बढ़ोतरी होगी, ताकि बाजार में मांग बढ़े? इसकी संभावना कम है, क्योंकि मुद्रास्फीति दर कम रहना तब मांग को प्रोत्साहित करता है, जब आम आमदनी मुद्रास्फीति की तुलना में अधिक बढ़े। ऐसा होने का संकेत नहीं है। दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर बढ़ रही चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से ताजा राहत अल्पकालिक साबित हो सकती है। अमेरिका के टैरिफ युद्ध के कारण अनेक कारोबार पर तलवार लटक रही है, जहां बड़ी संख्या में रोजगार जाने का अंदेशा है। वैसी स्थिति में आम आमदनी में और गिरावट आएगी।

गौरतलब है, उपभोग और मांग का ना बढ़ना हाल के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य समस्या रही है। केंद्र ने इसका समाधान निकालने की जरूरत को नजरअंदाज किया है। जबकि पेट्रोलियम पदार्थों के सस्ते आयात का लाभ आम उपभोक्ताओं को देकर तथा जीएसटी दरों में अनुकूल संशोधन कर वह ऐसा करने की स्थिति में है। फिलहाल, सरकार चाहे तो ऐसे कदम उठा कर मुद्रास्फीति दर में गिरावट से बनी अनुकूल स्थिति का लाभ उठा सकती है। खाने-पीने की चीजों की महंगाई नियंत्रित रहे और सरकार की पहल से लोगों की जेब में पैसा बचे, तो उस स्थिति में वे अवश्य ही अधिक उपभोग के लिए प्रेरित होंगे, जिससे अर्थव्यवस्था में गति आएगी।

सीमा विवाद सुलझाना कठिन

हरिशंकर व्यास

वैसे तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल के शुरू में ही दुनिया भर के देशों के खिलाफ जैसे को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया था। उसके बाद 22 अप्रैल को पहलगाम कांड हुआ और फिर छह और सात मई की दरम्यानी रात को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसका सीजफायर 10 मई की शाम को हुआ। इससे पहले तक राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ की लड़ाई सामान्य रूप से दुनिया के तमाम देशों के खिलाफ थी। वे दुनिया के तमाम देशों पर उसी तरह के टैरिफ लगाना चाहते थे, जिस तरह के टैरिफ उन देशों में अमेरिकी उत्पादों पर लगता था। उनके निशाने पर एक सौ देश थे और उनकी बंदूक भारत की ओर नहीं घूमी थी। उन्होंने अप्रैल में टैरिफ बढ़ाने की घोषणा करके उसे तीन महीने के लिए टाल भी दिया था ताकि इस बीच व्यापार संधि हो सके।

तभी सवाल है कि अप्रैल में ट्रंप की घोषणा के बाद ऐसा क्या बदला, जिससे उनकी बंदूक की नाल भारत की ओर घूम गई और वे लगातार भारत को निशाना बना कर हमला करने लगे? यह ध्यान रखने की बात है कि भारत को लेकर ट्रंप जिस तरह की बातें कर रहे हैं वह ट्रंप जैसे नेता के स्तर से भी सामान्य नहीं हैं। तभी ऐसा लग रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर और उसके सीजफायर के बाद स्थितियां बदली हैं। इसमें दो कारण समझ में आते हैं। पहला तो यह कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते होंगे कि उनको सीजफायर का श्रेय मिले, जो भारत नहीं दे रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने ही 10 मई की शाम को सीजफायर की घोषणा की थी। उनको सोशल मीडिया पोस्ट के बाद भारत की ओर से एक 42 सेकेंड की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें सीजफायर की जानकारी दी गई। उसके बाद से ट्रंप 35 बार से ज्यादा कह चुके हैं कि उन्होंने दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों का युद्ध रूकवाया।

उनके बार बार कहने के बावजूद भारत ने उनको युद्ध रूकवाने का श्रेय नहीं दिया और उलटे इस बात का खंडन किया। संभव है कि नोबल पुरस्कार पाने के लिए बेचैन ट्रंप को लग रहा हो कि दो परमाणु शक्ति संपन्न देशों का युद्ध रूकवाने का श्रेय अगर मिल जाए तो उनको नोबल मिल सकता है। वे एक इंटरव्यू में इस बात पर दुख जता चुके हैं कि उन्होंने इतना बड़ा काम किया लेकिन उनको श्रेय नहीं मिल रहा है।

भारत की मुश्किल यह है कि वह जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान के मसले पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को किसी स्थिति में स्वीकार नहीं कर सकता है। अगर किसी ने मध्यस्थता की भी है तो भारत उसका सार्वजनिक रूप से जिक्र नहीं करेगा। हो सकता है कि ट्रंप इस वजह से नाराज हुए हों। ध्यान रहे उनकी नाराजगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसद में दिए भाषण के बाद ज्यादा बढ़ी है, जिसमें उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी नेता ने सीजफायर नहीं कराई है। उसके बाद ही 25 फीसदी टैरिफ और रूस के साथ कारोबार की वजह से 25 फीसदी जुर्माने का टैरिफ यानी कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा। इसके बाद वे बहुत कुछ और होने की बात भी कर रहे हैं। उन्होंने व्यापार संधि पर भी वार्ता रोकने और पहले टैरिफ का मामला सुलझाने की बात कही है।

सीजफायर का श्रेय नहीं मिलने के अलावा ऑपरेशन सिंदूर की वजह से दूसरी चीज बदली है वह भारत के प्रति वैश्विक धारणा है। पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने के बाद दोनों के देशों के बीच शुरू हुए संघर्ष में भारत की सैन्य ताकत और उसके प्रति दुनिया के देशों का कूटनीतिक रवैया जाहिर हो गया है। भारत भले स्वीकार नहीं कर रहा है और पेंसिल टूटने की बात कर रहा है लेकिन कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सामरिक विशेषज्ञों ने भारत के लड़ाकू विमानों के नुकसान की बात कही है। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि भारत के पांच विमान गिरे।

भारत के सैन्य अधिकारियों ने माना है कि चीन ने पाकिस्तान के जरिए भारत के खिलाफ अपने हथियारों का परीक्षण किया। दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ तो वह भी बिना शर्त था, जिसकी वजह से पाकिस्तान को जीत का जश्न मनाने का मौका मिला। सोचें, भारत कह रहा है कि पाकिस्तान ने घुटने टेके और गिड़गिड़ाया तब सीजफायर हुआ। अगर ऐसी स्थिति थी तो भारत ने पाकिस्तान के सामने शर्तें क्यों नहीं रखीं? और कुछ नहीं तो पहलगाम कांड को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की मांग ही जा सकती थी! यह सभी सामरिक जानकारों की राय है कि भारत को अभी हमला जारी रखना चाहिए था, जिससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमता की पोल खुल जाती और पाकिस्तानी जनता के सामने उसका सैन्य नेतृत्व एक्सपोज हो जाता। इसका भारत को लंबे समय में लाभ मिलता। लेकिन भारत ने अचानक हमला रोक दिया, जिससे यह संदेश बना कि पाकिस्तान भी एक बड़ा मिलिट्री पावर वाला देश है। इससे पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को हीरो बनने का मौका मिला।

बाद में पता चला कि पाकिस्तान की सेना ने भारत द्वारा नष्ट किए गए तमाम आतंकवादी ठिकानों को फिर से नया बनवा दिया। ऑपरेशन सिंदूर की वजह से भारत की सैन्य ताकत पाकिस्तान की बराबरी में आ गई और उसके बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत के प्रति कोई बहुत सद्भाव देखने को नहीं मिला। युद्ध में दो देशों चीन और तुर्किए ने खुल कर पाकिस्तान का साथ दिया, जबकि भारत को जुबानी समर्थन सिर्फ इजराइल का मिला। दुनिया भर के देशों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ने की जरुरत बताई और पहलगाम कांड पर दुख जताया लेकिन किसी ने भारत की सैन्य कार्रवाई का समर्थन नहीं किया।

सो, संभव है कि भारत की सैन्य और कूटनीतिक ताकत एक्सपोज होने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप को लगा हो कि वे भारत पर दबाव बना सकते हैं और अपने हिसाब से व्यापार संधि करा सकते हों। जो हो इसमें कोई संदेह नहीं दिख रहा है कि सब कुछ ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदला। भारत ने बिना सोचे समझे और पाकिस्तान की तैयारियों का आकलन किए बगैर सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसकी वजह से सैन्य कार्रवाई शुरू होने के तुरंत बाद भारत को नुकसान हो जाने की खबर आई। यह भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने भी माना कि भारत को नुकसान हुआ और उसके बाद रणनीति पर फिर विचार करके नौ मई की रात को हमला शुरू हुआ। लेकिन भारत उस हमले को भी जारी नहीं रख सका। बाद में जकार्ता में भारत के डिफेंस अताशे कैप्टेन शिवकुमार ने कहा कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व सोच रहा था कि आतंकवादी ठिकानों पर हमला करेंगे तो पाकिस्तान की सेना जवाबी हमला नहीं करेगी। इस वजह से सेना को निर्देश था कि पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं करना है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मेरे लिए कोई प्रशिक्षण योजना नहीं, क्षमता निर्माण आयोग के पूर्व प्रमुख से ऐसा क्यों बोले थे पीएम मोदी

नईदिल्ली, 20 अगस्त [एजेंसी]। क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) के पूर्व प्रमुख आदिल जैनुलभाई ने कहा कि देश के नौकरशाहों के लिए केंद्र के महत्वाकांक्षी क्षमता निर्माण कार्यक्रम का एजेंडा और लक्ष्य खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तय किया था। उन्होंने एक बार यह भी पूछा था कि क्या उनके लिए कोई प्रशिक्षण योजना बनाई गई है या नहीं। भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के अध्यक्ष रहे जैनुलभाई को एक अप्रैल, 2021 को सीबीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। हाल ही में चार साल पूरे करने के बाद उन्होंने इस महत्वपूर्ण पद से इस्तीफा दे दिया।जैनुलभाई ने बताया, प्रधानमंत्री ने एजेंडा तय किया और हमें प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक बहुत ऊंचा लक्ष्य रखा और हमें कुछ करने को कहा। जब मैंने उन्हें पहली बार अपडेट दिया तो उन्होंने कहा था कि एक महत्वपूर्ण बात छूट गई है, वह यह कि आपने मेरे लिए कोई प्रशिक्षण योजना नहीं बनाई है। 2021 में स्थापित क्षमता निर्माण आयोग सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम मिशन कर्मयोगी का संचालन करता है। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत सरकारी अधिकारियों के क्षमता निर्माण का उद्देश्य भूमिका-आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से उनके दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान को बढ़ाना है।मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य विभिन्न सरकारी मंत्रालयों/विभागों के बीच की खाई को पाटना और साझा राष्ट्रीय लक्ष्यों एवं प्राथमिकताओं की दिशा में सहयोगात्मक संयुक्त प्रयास को प्रोत्साहित करना है। आयोग में अपने कार्यकाल के बारे में जैनुलभाई ने कहा कि सीबीसी की शुरुआत प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से हुई थी और शुरुआत में इसका ध्यान सिविल सेवकों की योग्यता निर्माण, नागरिक केंद्रित बनने और तकनीक को आगे बढ़ाने पर केंद्रित था।

बेटी को मां से दूर नहीं रख सकते, जेल में बंद महिला को कोर्ट ने दी जमानत

मुंबई, 20 अगस्त [एजेंसी]। अपहरण के आरोप में गिरफ्तार महिला को जमानत देते हुए मुंबई की एक अदालत ने कहा कि उसकी बच्ची को मां से दूर रखकर उसके स्नेह से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। आरोपित महिला सात साल की बच्ची की मां है। महिला की गिरफ्तारी के बाद से वह बच्ची अंधेरी इलाके में एक बाल गृह में रह रही है। वह तीन साल से अपनी मां से नहीं मिली है। यह मामला 2013 में सात साल की एक बच्ची के अपहरण से जुड़ा है। अपहृत बच्ची को लगभग एक दशक बाद उसके असली माता-पिता से मिलवा दिया गया जबकि आरोपित महिला और उसके पति को 2022 में गिरफ्तार कर लिया गया था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एसएम तकलीकर (दिंडोशी कोर्ट) ने आरोपित महिला को जमानत देते हुए कहा कि वह अपनी बच्ची के साथ से वंचित है क्योंकि वह पिछले तीन वर्षों से बिना किसी सुनवाई के जेल में है।बच्ची पिछले तीन वर्षों से अपने माता-पिता से नहीं मिली है। इसमें कोई शक नहीं कि वह बाल भवन में भर्ती है जहां उसकी देखभाल की जा रही है और उसे सुरक्षा प्रदान की जा रही है। अदालत ने कहा, सात साल की बच्ची को उसके प्राकृतिक अभिभावक के स्नेह से वंचित नहीं किया जाएगा।अभियोजन पक्ष के अनुसार, अपहृत बच्ची की मां ने 22 जनवरी, 2013 को मुंबई के डीएन नगर थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जब उसकी सात साल की बेटी स्कूल से घर नहीं लौटी थी। तीन अगस्त, 2022 तक उसका कोई पता नहीं चला। एक दिन पीड़ित महिला के एक पड़ोसी को एक अनजान महिला का वीडियो कॉल आया जिसमें लापता बच्ची जैसी दिखने वाली एक लड़की दिखाई दे रही थी।पड़ोसी ने उस बच्ची की पहचान पीड़ित महिला की बेटी के रूप में की। वीडियो से प्राप्त लोकेशन के बाद वह महिला उस स्थान पर पहुंची जहां उसे उसकी बेटी मिली। अपनी आपबीती बताते हुए पीड़िता ने बताया कि आरोपित महिला व उसका पति 2013 में उसे आइसक्रीम दिलाने का वादा करके अपने साथ ले गए थे।बाद वे उसे गोवा ले गए और कई महीनों तक वहीं रखा। इसके बाद वे मुंबई के विले पार्ले आए, एक किराए का मकान लिया और चार महीने तक वहां रहे। फिर उसे वापस गोवा ले गए। आरोपितों ने उसका कर्नाटक के एक स्कूल में दाखिला भी कराया और एक साल तक वहीं रखा। 2015 में वे मुंबई आए और तब से यहीं रह रहे हैं।

कफन ओढ़े लाश की नाक से निकल रहा था खून... जिंदा निजाम को पोस्टमार्टम के लिए भेजने पर बरपा हंगामा

पूणिया, 20 इगस्त [एजेंसी]। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में शनिवार को जीवित को ही पोस्टमार्टम में भेजने के आरोप पर जमा कर हंगामा हो गया। स्वजन इमरजेंसी वार्ड में शव के जीवित होने की बात को लेकर उग्र हो गए। जिस व्यक्ति के जीवित होने की बात स्वजन कर रहे थे, उसे इमरजेंसी वार्ड में लाया गया। दोबारा जांच के बाद चिकित्सक ने उसे फिर से मृत घोषित कर दिया। इस दौरान हंगामा इतना बढ़ गया कि वार्ड से सभी चिकित्सकों और स्टाफ को भागना पड़ा। शनिवार को तीन बाइक सवार लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई थी। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया जा रहा था। इस दौरान 60 वर्षीय मृतक मु. निजाम की नाक से निकल रहे खून को देखकर

स्वजन ने उसे जीवित समझ लिया। मृतक की जांच के लिए उसे स्वजन आपातकालीन वार्ड लेकर पहुंचे। चिकित्सक ने जांच बाद मृत घोषित कर दिया।इसके बाद स्वजन शांत नहीं हुए और हंगामा होता रहा। लोगों को उग्र होते देख आपातकालीन वार्ड के डाक्टर और कर्मी मौके से फरार हो गए। सूचना के बाद केहाट, सहायक खजांची, मधुबनी एवं फणीश्वर नाम रेणु टीओपी की पुलिस मौके पर पहुंच कर हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। काफी समझाने के बाद लोगों विश्वास हो गया कि निजाम की मौत हो गई है।सड़क दुर्घटना के बाद तीन लोगों को अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में लाया गया था। एक व्यक्ति जिसके बारे में स्वजन जीवित होने की बात कर रहे थे, उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मृत घोषित करने के बाद उसको पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। पोस्टमार्टम प्रक्रिया में काफी समय लगता है। उसी दौरान एक मृतक की नाक से खून निकल रहा था। दुर्घटना की स्थिति में ऐसा हो सकता है। उसी से स्वजन उसे जीवित मानने लगे और दोबारा उसे इमरजेंसी वार्ड लाया गया। वहां दोबारा जांच हुई। मृत घोषित करने में लापरवाही नहीं हुई थी।इस दौरान हंगामा इतना बढ़ गया कि वार्ड से सभी चिकित्सकों और स्टाफ को भागना पड़ा। शनिवार को तीन बाइक सवार लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई थी।

90 साल का होने पर भी उम्मीद करते हैं कि... आंदोलन की मांग पर अन्ना हजारे का बड़ा बयान

मुंबई, 20 अगस्त [एजेंसी]। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने रविवार को पुणे में लगे उन बैनरों पर निराशा व्यक्त की, जिसमें उनसे जागने और कथित वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह किया गया है।मीडिया से बात करते हुए हजारे ने कहा कि मैं जो कर सकता था, उसे मैंने कर दिया है। अब समय आ गया है कि युवा मेरे काम को आगे बढ़ाएं। बैनरों पर लिखा गया है, अन्ना, अब तो जाग जाओ। कुंभकर्ण भी रावण और लंका के लिए गहरी नींद से जाग उठा था, तो आप भी देश के लिए ऐसा क्यों नहीं करते। इसमें यह संदेश भी दिया गया कि राष्ट्र दिल्ली के जंतर-मंतर पर हजारे का जादू फिर से देखने के लिए उत्सुक है। हजारे ने बैनर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैंने 10 कानून बनवाए हैं, लेकिन 90 साल के

बाद भी यदि लोग मुझसे यह उम्मीद करते हैं कि मैं उनके सोते रहने के बावजूद सब कुछ करता रहूं तो यह उम्मीद गलत है। मैंने जो किया है, उसे युवाओं को आगे बढ़ाना चाहिए।किसी एक संस्था को असीमित अधिकार देना लोकतंत्र के लिए चिंताजनक नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक की समीक्षा कर रही संसदीय समिति से कहा है कि किसी प्रस्ताव की संवैधानिक वैधता यह नहीं दर्शाती कि उसके प्रविधान वांछनीय या आवश्यक भी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी प्रस्ताव को संविधान के अनुरूप मान लेने का यह अर्थ नहीं है कि वह समाज या लोकतंत्र के लिहाज से उचित या जरूरी भी है। सूत्रों के मुताबिक, हालांकि समिति को दिए अपने लिखित मत में न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि संविधान संशोधन विधेयक के बारे में देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने संबंधी तर्क उठाए जा सकते हैं।भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति के साथ अपने विचार साझा करने वाले अधिकांश विशेषज्ञों ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि प्रस्ताव असंवैधानिक हैं, लेकिन उन्होंने विधेयक के वर्तमान प्रविधानों के साथ कुछ मुद्दों को उठाया है। जस्टिस खन्ना भारत के कुछ अन्य पूर्व मुख्य न्यायाधीशों के साथ मिलकर विधेयक में निर्वाचन आयोग को दी गई शक्तियों की सीमा पर चिंता जता रहे हैं। उन्होंने संसद की समिति को बताया कि प्रस्तावित विधेयक निर्वाचन आयोग को यह तय करने के मामले में असीमित विवेकाधिकार देता है कि किसी राज्य विधानसभा का चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ नहीं कराया जा सकता। साथ ही इस संबंध में राष्ट्रपति को सिफारिश करने का अधिकार भी आयोग को दिया गया है।न्यायमूर्ति खन्ना ने यह संकेत दिया कि इस प्रकार का असीमित अधिकार किसी एक संस्था को देना संतुलित लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दृष्टिकोण से चिंताजनक हो सकता है। पूर्व सीजेआई खन्ना ने संसद की समिति को आगाह किया कि यदि निर्वाचन आयोग किसी राज्य में चुनाव स्थगित करता है तो इसका परिणाम अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रपति शासन के रूप में हो सकता है।दूसरे शब्दों में कहें तो इससे केंद्र सरकार राज्य सरकार के कार्यों का नियंत्रण संभाल सकती है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति न्यायिक दृष्टि से सवालों के घेरे में आ सकती है, क्योंकि यह संविधान द्वारा कल्पित संघीय ढांचे का उल्लंघन मानी जा सकती है।-भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक की समीक्षा कर रही संसदीय समिति से कहा है कि किसी प्रस्ताव की संवैधानिक वैधता यह नहीं दर्शाती कि उसके प्रविधान वांछनीय या आवश्यक भी हैं।

चुनाव आयोग पर राहुल का पलटवार, कहा- धमकियों से नहीं डरेंगे, लगाए बड़े आरोप

औरंगाबाद, 20 अगस्त [एजेंसी]। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के उनके दावों को लेकर उनसे शपथ पत्र की ताजा मांग को लेकर चुनाव आयोग पर जवाबी हमला बोलते हुए कहा कि वह किसी तरह की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं।इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने चुनाव आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई के कवच से बचाने के लिए 2023 में लाए गए कानून पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा की मदद कर रहे चुनाव आयुक्तों को बचाने के लिए यह कदम उठाया गया। बिहार में एसआईआर के खिलाफ रविवार से शुरू अपनी वोटर अधिकार यात्रा के पहले दिन के आखिरी पड़ाव औरंगाबाद शहर में एक सभा के दौरान राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव

आयुक्त के प्रेस कांफ्रेंस में की गई कुछ टिप्पणियों का करारा जवाब दिया।सीसीटीवी फुटेज देने से आयोग के इनकार की ओर इशारा करते हुए कहा कि सीसीटीवी का कानून बनाया तो फिर पूछना चाहता हूं कि सरकार ने इसे बदला क्यों। इसके बाद चुनाव आयुक्तों पर मुकदमा नहीं किए जाने का मसला उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट ही नहीं देश की किसी भी अदालत में इनके खिलाफ केस नहीं किया जा सकता।राहुल गांधी ने कहा कि यह कानून 2023 में बनाया गया क्योंकि नरेन्द्र मोदी और अमित शाह नहीं चाहते कि चुनाव आयोग के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं कर पाए। ऐसा इसलिए कि चुनाव आयुक्त उनकी मदद कर रहा है और उनके साथ वोट चोरी कर रहा है।बिहार में पुनरीक्षण के दौरान लाखों की संख्या में लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काटे जाने की त्रुटि सुधारने की बजाय चुनाव आयोग के इनकार और धमकाने के अंदाज पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वे और तेजस्वी यादव जनता के साथ मिलकर उसे दिखा देंगे कि बिहार के लोग क्या चाहते हैं।नेता विपक्ष ने यह भी कहा कि मोदी-शाह ही नहीं चुनाव आयोग भी समझ ले न राहुल गांधी उनसे डरता है और न ही तेजस्वी यादव। वोट चोरी की सच्चाई हिन्दुस्तान के हर नागरिकों के आंखों के सामने लाकर रखेंगे।साथ ही यह दावा भी किया कि चंद उद्योगपतियों की मदद वोटर लिस्ट से नाम काटने के पीछे का मकसद है क्योंकि गरीबों से संसाधन पहले ही छीने जा चुके हैं अब उनके हाथ में बची आखिरी चीज वोट का उनका अधिकार खुलेआम छीना जा रहा है और चुनाव आयोग इसमें शामिल है।बिहार में एसआईआर के खिलाफ रविवार से शुरू अपनी वोटर अधिकार यात्रा के पहले दिन के आखिरी पड़ाव औरंगाबाद शहर में एक सभा के दौरान राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के प्रेस कांफ्रेंस में की गई कुछ टिप्पणियों का करारा जवाब दिया।सीसीटीवी फुटेज देने से आयोग के इनकार की ओर इशारा करते हुए कहा कि सीसीटीवी का कानून बनाया तो फिर पूछना चाहता हूं कि सरकार ने इसे बदला क्यों। इसके बाद चुनाव आयुक्तों पर मुकदमा नहीं किए जाने का मसला उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट ही नहीं देश की किसी भी अदालत में इनके खिलाफ केस नहीं किया जा सकता।

किश्तवाड़ बाढ़- चिसोती गांव में खोज और बचाव अभियान जारी.

वोटरलिस्ट में हजारों लोगों के मकान नंबर जीरो क्यों, चुनाव आयोग ने बता दी असल वजह

नईदिल्ली, 20 अगस्त [एजेंसी]। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि प्रवास (माइग्रेशन) या प्रशासनिक चूक के कारण लोगों के पास कई मतदाता पहचान पत्र होने की घटनाएं सामने आती हैं। चुनाव अधिकारी ऐसी गलतियों को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं।विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे अभियानों से ऐसी विसंगतियां दूर होंगी। ऐसे तीन लाख मामलों को ठीक किया भी गया है। ज्ञानेश कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 2003 से पहले तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं, इसलिए कई लोग जो अलग-अलग जगहों पर चले गए, उनके नाम कई जगहों पर जोड़ दिए गए। आज एक वेबसाइट है, एक कंप्यूटर है, आप उसे

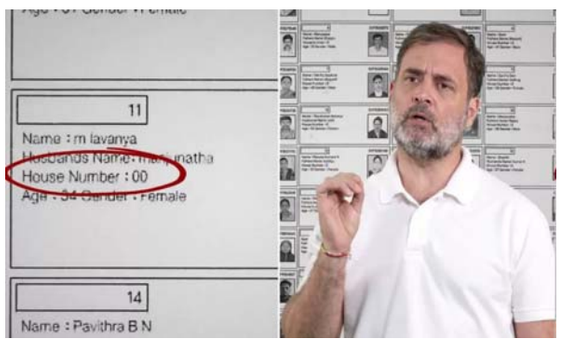

सिलेक्ट करके हटा सकते हैं। उन्होंने कहा, भले ही किसी व्यक्ति के दो स्थानों पर वोट हों, वह केवल एक ही स्थान पर मतदान करने जाता है। दो स्थानों पर मतदान करना अपराध है और अगर कोई दोहरे मतदान का दावा करता है, तो प्रमाण आवश्यक है। प्रमाण मांगा गया था, लेकिन दिया नहीं गया।कई मतदाताओं द्वारा अपने घरों को मकान संख्या शून्य बताने के मुद्दे पर सीईसी ने कहा, कई लोगों के पास घर नहीं है, लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में भी है। जो पता दिया जाता है, वो वह जगह होती है जहां व्यक्ति रात में सोने आता है। कभी सड़क के किनारे, कभी पुल के नीचे। अगर ऐसे मतदाताओं को फर्जी मतदाता कहा जाता है, तो यह गरीब मतदाताओं के साथ एक बड़ा मजाक होगा। उन्होंने कहा, शहरों में अनधिकृत कॉलोनियां हैं, जहां उनके पास नंबर नहीं है, तो वे अपने फॉर्म में कौन सा पता भरें। इसलिए चुनाव आयोग के निर्देश कहते हैं कि अगर इस देश में ऐसा कोई मतदाता है, तो चुनाव आयोग उसके साथ खड़ा है और उसे एक काल्पनिक नंबर देगा। सिर्फ इसलिए कि जब वह कंप्यूटर में इसे भरता है, तो उसे शून्य दिखाई देता है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह मतदाता नहीं है। सीईसी ने कहा, एआई और डीपफेक वास्तव में हमारे लिए असली चुनौतियां हैं। कल ही एक एक्स हैंडल ने एआई निर्मित एक वीडियो साझा किया था जो सच्चाई से कोसों दूर था। चुनाव आयोग ऐसी चुनौतियों से निपटने की पूरी कोशिश करेगा।ज्ञानेश कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 2003 से पहले तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं, इसलिए कई लोग जो अलग-अलग जगहों पर चले गए, उनके नाम कई जगहों पर जोड़ दिए गए। आज एक वेबसाइट है, एक कंप्यूटर है, आप उसे सिलेक्ट करके हटा सकते हैं। उन्होंने कहा, भले ही किसी व्यक्ति के दो स्थानों पर वोट हों, वह केवल एक ही स्थान पर मतदान करने जाता है। दो स्थानों पर मतदान करना अपराध है और अगर कोई दोहरे मतदान का दावा करता है, तो प्रमाण आवश्यक है। प्रमाण मांगा गया था, लेकिन दिया नहीं गया।कई मतदाताओं द्वारा अपने घरों को मकान संख्या शून्य बताने के मुद्दे पर सीईसी ने कहा, कई लोगों के पास घर नहीं है, लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में भी है। जो पता दिया जाता है, वो वह जगह होती है जहां व्यक्ति रात में सोने आता है।

मोतीनगर सड़क हादसा : आरोपी थार चालक गिरफ्तार, शराब के नशे में लौट रहा था घर

नई दिल्ली ,20 अगस्त (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के मोतीनगर इलाके में एक तेज रफ्तार थार ने बाइक को टक्कर मारी थी, जिसमें बाइक सवार की मौत हो गई थी। घटना के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया था। अब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार देर रात थार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।मोती नगर इलाके में बाइक सवार को कुचलने वाले थार ड्राइवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी शनिवार देर रात हुई। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान अमरिंदर सिंह के रूप में हुई है, जो पश्चिम दिल्ली का रहने वाला है। शुक्रवार देर रात आरोपी अमरिंदर एक पार्टी से शराब पीकर अपने घर लौट रहा था और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। उसी दौरान यह सड़क हादसा हुआ। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि थार गाड़ी पहले ही मौका-ए-वारदात से बरामद की जा चुकी है।

बता दें कि शनिवार को पश्चिमी जिला के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया था कि मोती नगर थाने में 15-16 अगस्त की रात को एक दुर्घटना की सूचना मिली थी। इस दुर्घटना में एक बाइक को थार गाड़ी ने टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में बाइक सवार भिक्षु लाल की मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद, थार वाहन का चालक मौके से भाग गया था, जिसे पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई थीं।पुलिस के अनुसार मृतक अजय उर्फ भिक्षु लाल मूलरूप से यूपी का रहने वाला है और दिल्ली में प्रेम नगर में रहता था। रात्रि में किसी परिचित से मिलने आचार्य भिक्षु अस्पताल गया था। वह सड़क किनारे बाइक के साथ खड़ा था। तभी तेज रफ्तार थार कार आई और पल्सर बाइक में टक्कर मार दी और कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस कार चालक की तलाश में जुटी हुई थी।मृतक के परिजनों ने पहले ही आरोपी पर शराब पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उसकी गाड़ी से शराब की बोतलें मिली हैं।

रायगढ़ से झारखंड में मवेशियों की तस्करी: पिकअप से बूचड़खाने ले जा रहे थे, घेराबंदी कर पुलिस ने जशपुर के 2 तस्करों को किया गिरफ्तार

रायगढ़,20 अगस्त (एजेंसी)। रायगढ़ जिले में मवेशी तस्करी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। छाल और लैलूंगा के रास्ते से मवेशियों को झारखंड बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। रविवार को लैलूंगा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो मवेशी तस्करों को गिरफ्तार किया है।जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि घरघोड़ा की ओर से एक पिकअप वाहन में मवेशियों को ठूंस-ठूंसकर झारखंड की ओर ले जाया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम ने रूडूकेला के पास घेराबंदी की। तभी सामने से आ रही संदिग्ध पिकअप को रुकवाया गया।चालक भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस ने पकड़ लिया। जांच में वाहन से बड़ी संख्या में मवेशी मिले, जिन्हें आनवीय तरीके से बिना खाना-पानी के ले जाया जा रहा था।जशपुर जिले के हैं आरोपीपूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम गिरवर प्रसाद यादव (28) और सुनील कुजूर (20), निवासी ग्राम झिक्की जिला जशपुर बताया। दोनों ने स्वीकार किया कि वे मवेशियों को झारखंड बूचड़खाने बिक्री के लिए ले जा रहे थे।5.75 लाख के मवेशी जब्तपुलिस ने आरोपियों से पिकअप वाहन समेत करीब 5 लाख 75 हजार के मवेशी जब्त किए। आरोपियों पर छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10, 11 के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में रिमांड पर भेजा गया है।

सूदखोर तोमर भाइयों की प्रॉपर्टी हो सकती है कुर्क-कोर्ट ने स्वीकार की पुलिस की याचिका, कल कोर्ट में पेश होने का आखिरी मौका

रायपुर,20 अगस्त (एजेंसी)। रायपुर के सूदखोर और हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधु पिछले 2 महीने से फरार हैं। रायपुर कोर्ट ने पुलिस की याचिका स्वीकार कर कलेक्टर को उनकी 4 संपत्तियों की कुर्की का प्रतिवेदन भेज दिया है। इससे पहले नगर निगम में रोहित तोमर के अवैध ऑफिस पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की थी।रायपुर कोर्ट ने दोनों आरोपियों को पेश होने की अंतिम चेतावनी जारी की थी, जिसके मुताबिक 18 अगस्त को अंतिम मौका है। अगर दोनों आरोपी सोमवार तक कोर्ट में पेश नहीं होते हैं, तो उनकी संपत्तियों को कुर्क कर लिया जाएगा। रायपुर पुलिस ने रोहित तोमर और वीरेंद्र सिंह तोमर के फरार होने के बाद संपत्ति कुर्क करने के लिए कोर्ट में आवेदन दिया था।प्रॉपर्टी डीलर से की मारपीट के बाद हुआ फरारकरीब दो महीने पहले प्रॉपर्टी डीलर दशमीत चावला ने रोहित तोमर के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुए तेलीबांधा थाने में स्रढ्ढक्रदर्ज कराई थी। मामले के बाद से पुलिस रोहित की तलाश में जुटी हुई है। रोहित के फरार होने के बाद उसका भाई वीरेंद्र तोमर भी गायब हो गया।पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश में कई राज्यों में टीमें भेजी, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई देखकर पीड़ित पहुंच रहे थानाहिस्ट्रीशीटर तोमर भाइयों के कई लोग शिकार हैं। आरोपियों और उनके गुर्गों का खौफ पीड़ितों में इस कदर था कि उसी शहर में रहते हुए भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराने नहीं जा पा रहे थे। लेकिन जब से पुलिस ने वीरेंद्र और रोहित पर कार्रवाई शुरू की है, तब से पीड़ितों के मन में डर खत्म हो गया है।दोनों भाइयों के खिलाफ अब तक 6 से ज्यादा स्रढ्ढक्रदर्ज हैं, जिसमें पीड़ितों ने आरोपी रोहित तोमर और वीरेंद्र तोमर के खिलाफ अवैध वसूली, धमकी और छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम के तहत स्रढ्ढक्रदर्ज की है।फरार होने के बाद पुलिस की टीम ने तोमर बंधुओं के घर छापा मारा उस दौरान पुलिस ने इन सामानों को बरामद किया था।फरार होने के बाद पुलिस की टीम

ने तोमर बंधुओं के घर छापा मारा उस दौरान पुलिस ने इन सामानों को बरामद किया था।पुलिस ने सिर मुंडवाकर निकाला था जुलूसबता दें कि, एक साल पहले रायपुर के हाइपर क्लब गोलीकांड के बाद पुलिस ने आरोपियों का सिर आधा मुंडवा कर जुलूस निकाला था। इस घटना में रोहित तोमर, विकास अग्रवाल, सारंग मांधान और अमित तनेजा गिरफ्तार हुए थे। जुलूस निकालने के दौरान उनके कपड़े भी फटे हुए थे।निगरानी गुंडा बदमाश में है रोहित तोमरसूदखोर रोहित तोमर निगरानी गुंडा बदमाश है। आरोपी के खिलाफ राजेंद्र नगर, तेलीबांधा, पुरानी बस्ती, कोतवाली और गुढियारी में 9 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। अ
ारोपी सूदखोरी, मारपीट, ब्लैकमेल के मामले में जेल भी जा चुका है।सूदखोर रोहित गोल्डन मैन के नाम से जिले में मशहूर है। रसूखदारी बनी रहे, इसलिए आरोपी अपने गिरोह के साथ समय-समय पर कार्यक्रमों में भी दिखता है।

शराबी टीचर के हाथ-पैर बांधकर फर्श पर लिटाने का वीडियों डॉक्टर-स्वीपर का गला दबाया, नर्स से गाली-गलौज की, हॉस्पिटल में तोड़फोड़ करने का भी आरोप

बलरामपुर,20 अगसत (एजेंसी)। बलरामपुर में नशे में धुत टीचर ने अस्पताल में हंगामा किया। तोड़फोड़ की। टीचर को अस्पताल प्रबंधन बांधकर फर्श पर लिटा दिया।छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में शराब के नशे में धुत टीचर ने जमकर हंगामा किया। शंकरगढ़ में टीचर ने डॉक्टर और स्वीपर का गला दबाया। नर्स से गाली-गलौज की। परेशान होकर अस्पताल के स्टॉप ने नशेड़ी टीचर के हाथ-पैर बांध दिए, फिर फर्श पर लेटा दिया।मिली जानकारी के मुताबिक टीचर को उसके साथी इलाज के लिए अस्पताल लाए थे, लेकिन टीचर ने बवाल कर दिया। अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ भी की। टीचर ने ऑक्सीजन सिलेंडर उठाकर स्वास्थ-कर्मियों को मारने के लिए भी दौड़ा।दरअसल, नशे में टल्ली टीचर का नाम प्रबोध एक्का (40) है, जो जशपुर जिले के सोनक्यारी का रहने वाला है। प्रबोध एक्का शंकरगढ़ ब्लॉक के रेहड़ा हायर सेकेंडरी स्कूल में लैब अटेंडेंट के पद पर पोस्टेड है। 15 अगस्त की रात प्रबोध ने जमकर शराब पी थी।इस दौरान टीचर ने नशे में घर के आसपास जमकर उत्पात मचाया। इसके बाद साथी उसे

इलाज के लिए शंकरगढ़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। अस्पताल पहुंचते ही प्रबोध ने ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर आफताब अंसारी, स्वीपर सुरेश काशी और स्टाफ नर्स तारा एक्का के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे ड्यूटी डॉक्टर आफताब पर भी टीचर ने हमला कर दिया। उनका गला पकड़ लिया। वहां मौजूद साथियों ने किसी तरह डॉक्टर को छुड़ाया। स्थिति बिगड़ते देख स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर शंकरगढ़ थाने से तीन पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।इसी बीच प्रबोध ने ऑक्सीजन सिलेंडर उठा लिया। पुलिसकर्मियों सहित सभी पर हमला करने के लिए दौड़ पड़ा। स्थिति बिगड़ती देख सभी ने भागकर अपनी जान बचाई। बाद में अस्पताल स्टाफ और मौजूद लोगों ने मिलकर किसी तरह उसे काबू में किया और हाथ-पैर बांधकर अस्पताल में ही रखा।शंकरगढ़ थाना प्रभारी जितेंद्र जायसवाल ने बताया कि टीचर ने हॉस्पिटल के इंजेक्शन कक्ष में तोड़फोड़ की। बीपी मशीन को तोड़ दिया। 50 हजार रुपए से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। पुलिस ने मामले मेंकी धारा 36(च) 2, 3, 4 , 115(2), 132, 221, 296, 324 (3), 351 (2) के तहत मामला दर्ज किया है।उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। साथ ही मामले की जानकारी बलरामपुर जिला शिक्षा अधिकारी को भी भेज दी गई है। फिलहाल पुलिस और शिक्षा विभाग मामले की जांच कर रहे हैं।

शराब के लिए पैसे नहीं मिलने पर युवक पर चाकू से हमला, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 20 अगस्त (एजेंसी)। थाना धरसींवा के सिलतरा चौकी क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां शराब पीने के लिए पैसे नहीं मिलने पर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। इस हमले के आरोपी मंजीत यादव (उम्र 20 वर्ष), निवासी सड्डु थाना विधानसभा, को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी जप्त कर लिया गया है।घटना 06 अगस्त 2025 की रात की है, जब प्रार्थी बबलू भूईया अपने मित्र नरेन्द्र कुमार सिंह और सतीश चंद्रवंशी के साथ सिलतरा से पैदल ग्राम चरौदा लौट रहा था। रात करीब 10:30 बजे जब वे मीनू ढाबा के पास रायपुर-बिलासपुर रोड पर पहुंचे, तभी दोपहिया वाहन में सवार एक युवक उनके पास आया और शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा। मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज कर मारपीट शुरू कर दी और प्रार्थी बबलू भूईया पर चाकू से हमला कर फ्रार हो गया। घटना की रिपोर्ट पर थाना धरसींवा में अपराध क्रमांक 378/25 धारा 119(1), 296, 115 (2), 351 (2), 118 (1), 3(2) बी.एन.एस. एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, नगर पुलिस अधीक्षक पूर्णिमा लामा, थाना प्रभारी धरसींवा और चौकी प्रभारी सिलतरा राजेन्द्र कंवर के मार्गदर्शन में जांच टीम गठित की गई।

जांजगीर चांपा: 48 वर्षीय युवक की हार्ट अटैक से मौत, सुबह से सीने में हो रहा था दर्द, सीसीटीवी में कैद घटना

जांजगीर चांपा ,20 अगस्त (एजेंसी)। जांजगीर चांपा जिले के नैला रोड स्थित नवरंग होटल में शिवनारायण गढ़ेवाल 48 वर्ष पहुंचा,जहां लड़खड़ा कर जमीन में गिर पड़ा,होटल संचालक ने निजी अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज के दौरान हार्ट फैल होने से उसकी मौत हो गई।जांजगीर चांपा जिले के नैला रोड स्थित नवरंग होटल में शिवनारायण गढ़ेवाल 48 वर्ष पहुंचा,जहां लड़खड़ा कर जमीन में गिर पड़ा,होटल संचालक ने निजी अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज के दौरान हार्ट फैल होने से उसकी मौत हो गई। पूरी घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। नवरंग होटल संचालक ने बताया कि, शिवनारायण गढ़ेवाल जोकि ड्राइवरी का काम करता था। आज रविवार की दोपहर 12.19 बजे होटल आया और बैठने के लिए कुर्सी को लेने लगा तभी अचानक से वह जमीन पर गिर पड़ा। उसे सांस लेने में दिक्कत आ रही थी तो उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने बचाने की कोशिश की मगर हार्ट फैल होने से उसकी मौत हो गई। डॉक्टर लोकेंद्र

कश्यप ने बताया कि मृतक जोकि बीपी, सुगर का पेशेंट था। पूरी घटना का मंजर होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई हैं। मृतक शिवनारायण गढ़ेवाल के बेटे ने जिला अस्पताल चौकी में बयान में बताया कि पिता जी को आज सुबह लगभग 8 बजे से सीने में दर्द होने की बात कही जिसके बाद वे घर से काम पर निकल गए। जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल हार्ट अटैक से युवक की मौत की आशंका है।

दल्लीराजहरा थाने में पदस्थ एएसआई ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दल्लीराजहरा,20 अगस्त (एजेंसी)। बताया जा रहा है कि घटना 16 अगस्त की सुबह करीबन 7:30 के आस पास की है। एएसआई ने पुलिस स्टॉफके लिए बनाए गए बैरक में फंदे से लटका हुआ मिला पुलिसकर्मीयों की नजर इस ओर गई तो उन्हें नीचे उतारकर शहीद अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक एएसआई हीरामन मंडावी का लगभग 10 महीने पहले अर्जुन्दा थाना से दल्ली राजहरा थाना ट्रांसफर हुआ था । उनका परिवार दुर्ग जिले के बोरसी के निवासी हैं । पता चला है कि मंडावी लंबे समय से डिप्रेशन से जूझ रहे थे, डिप्रेशन के पीछे क्या वजह थी इसके बारे में नगर में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही है ।

तेज रफ्तार 2 बाइक की भिड़ंत...मां-बेटे समेत 3 की मौतचाई और 4 साल के 2 बच्चे घायल, रायपुर से बलौदाबाजार जाते वक्त हादसा

बलौदाबाजार,20 अगस्त (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में 2 बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार मां-बेटे समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 बच्चे घायल हुए हैं। इनमें एक ढाई साल और एक 4 साल का है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।
मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों का नाम तेजेश्वर प्रसाद नेताम (22), राजा ध्रुव (32) और सोनारिन ध्रुव (70) है। राजा ध्रुव और सोनारिन ध्रुव मां-बेटे हैं, जो पारागांव के निवासी थे। वहीं तेजेश्वर प्रसाद नेताम दूसरी बाइक पर सवार था, जो ढाबाडीह का निवासी था।
दरअसल, 17 अगस्त दिन रविवार को तेजेश्वर नेताम रायपुर से अपने गांव ढाबाडीह जा रहा था, जबकि दूसरी बाइक पर राजा ध्रुव उसकी मां सोनारिन

ध्रुव, परिवार के 2 बच्चे 4 वर्षीय परसराम ध्रुव और ढाई वर्षीय मनीषा ध्रुव भी सवार थे।
इस दौरान दोनों की बाइक तेज रफ्तार में थी। ढाबाडीह के पास सोनबरसा जंगल पहुंचे ही थे कि दोनों बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटनास्थल पर ही राजा ध्रुव, उसकी मां सोनारिन ध्रुव और तेजेश्वर प्रसाद नेताम की मौत हो गई। वहीं बच्चे परसराम ध्रुव और मनीषा ध्रुव घायल हो गए।हादसे के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई। बच्चे सड़क पर दूर-दूर जाकर गिरे थे। राहगीरों ने गंभीर हालत में घायल बच्चों को जिला अस्पताल बलौदाबाजार में भर्ती कराया। बच्चों का इलाज चल रहा है, जबकि पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शवों को परिजनों को सौंप दिया है।
बलौदाबाजार सिटी कोतवाली टीआई अजय झा ने बताया कि हादसे में 3 की जान गई है, 2 बच्चे घायल हैं। शुरुआती जांच में तेज गति या चालक की लापरवाही को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। पुलिस ने दोनों बाइक को जब्त कर लिया है। साथ ही हादसे को लेकर जांच की जा रही है।इस दौरान दोनों की बाइक तेज रफ्तार में थी। ढाबाडीह के पास सोनबरसा जंगल पहुंचे ही थे कि दोनों बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटनास्थल पर ही राजा ध्रुव, उसकी मां सोनारिन ध्रुव और तेजेश्वर प्रसाद नेताम की मौत हो गई। वहीं बच्चे परसराम ध्रुव और मनीषा ध्रुव घायल हो गए।

स्टंटबाजी पड़ी भारी, 128 बाइकर्स और 6 कार चालकों पर कार्रवाई

रायपुर, 20 अगस्त (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नवा रायपुर की सड़कों पर बाइकर्स गैंग द्वारा स्टंटबाजी और लापरवाहीपूर्ण ड्राइविंग की घटनाओं ने पुलिस को सख्त कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया। इस दौरान स्टंट करते समय एक बाइकर गाड़ी से गिरकर घायल हो गया, जिसे पुलिस ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया। रायपुर पुलिस ने 128 दोपहिया वाहनों और 6 कार चालकों को पकड़ा, जिनके खिलाफमोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।
पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ बाइकर्स ने इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर स्टंटबाजी के वीडियो और फोटो अपलोड कर अन्य बाइकर्स को नवा रायपुर में इकट्ठा होने का न्योता दिया था। इससे पहले 14 अगस्त 2025 को पुलिस ने 9 बाइकर्स को गिरफ्तार कर जेल भेजा था, जो सोशल मीडिया पर स्टंट के वीडियो पोस्ट कर रहे थे। इसके बावजूद स्वतंत्रता दिवस पर बाइकर्स गैंग द्वारा उत्पात मचाने की आशंका पर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) डॉ. प्रशांत शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अटल नगर) विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन में एक विशेष योजना तैयार की गई। उप पुलिस अधीक्षक सतीश ठाकुर और गुरजीत सिंह के नेतृत्व में सिविल ड्रेस में 5 निरीक्षकों, 20 यातायात पुलिसकर्मियों, क्रेन पेट्रोलिंग और थाना राखी व मंदिर हसौद की 40 सदस्यीय पुलिस टीम ने नवा रायपुर में घेराबंदी की। इस ऑपरेशन में 128 बाइकर्स और 6 कार चालकों को पकड़ा गया, जो तेज रफ्तार, लापरवाहीपूर्ण ड्राइविंग और स्टंटबाजी में लिप्त थे। पुलिस ने सभी 128 दोपहिया वाहनों और 6 कारों को जब्त कर लिया और इन्हें थाना राखी, मंदिर हसौद और अटल नगर यातायात थाने में रखा गया। इन वाहन चालकों के खिलाफस्टंटबाजी, लापरवाहीपूर्ण ड्राइविंग, बिना नंबर प्लेट, नंबर टेम्परिंग, बिना हेलमेट और दस्तावेजी खामियों के लिए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए। सभी आरोपियों को सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

मलांजकुडुम जलप्रपात में फिसलकर गिरने से युवक की मौत

रायपुर, 20 अगस्त (एजेंसी)। कांकेर जिला मुख्यालय से महज 18 किलोमीटर दूर स्थित प्रसिद्ध पर्यटक स्थल मलांजकुडुम जलप्रपात में शनिवार देर शाम को एक दर्दनाक हादसा हो गया। मलांजकुडुम जलप्रपात से एक युवक गोपाल चंद्राकर निवासी रायपुर का पैर फिसल जाने से वह नीचे गिर गय, हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अपने 5 दोस्तों के साथ जलप्रपात घूमने के लिए आया था। कांकेर पुलिस के अनुसार रायपुर से गोपाल चंद्राकर और उसके 5 दोस्त शनिवार को मलांजकुडुम जलप्रपात पहुंचे थे। इसी दौरान गोपाल डेंजर जोन में चला गया और चिकने पत्थर में पैर फिसलने से नीचे गिर पड़ा। युवक के दोस्तों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन अंधेरा होने के कारण रात में युवक के शव को रेस्क्यू नहीं किया जा सका, आज रविवार सुबह नगर सेना और गोताखोरों की टीम ने युवक का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंप दिया।हादसों का सबब बनते रहे हैं पर्यटन स्थलउल्लेखनीय है कि यह जलप्रपात प्रति वर्ष हादसों का कारण बन रहा है, बावजूद इसके पर्यटकों की सुरक्षा के लिए अब तक कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा बैरियर होने के बाद भी इसका सख्ती से पालन नहीं कराया जाता, जिसके चलते पर्यटक अक्सर खतरे के निशान को पार कर जाते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं। पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने वाला मलांजकुडुम जलप्रपात में हादसों का सिलसिला नया नहीं है। वर्ष 2022 में भी यहां दो युवकों की मौत हुई थी। इसके बाद भी प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाये। बस्तर के समस्त पर्यटक स्थल निसंदेह पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, लेकिन पर्यटकों के लिए यहां कोई सुविधा उपलब्ध नहीं रहती है। में प्रस्तुत किया गया।

5 सड़क दुर्घटना में 2 युवकों की मौत, तीन घायल

रायपुर ,20 अगस्त (एजेंसी) । 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन युवक घायल हो गए हैं। वहीं वाहन की चपेट में आने से एक भैंस की भी जान चली गई। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।पहली घटना आमाबेड़ा थाना क्षेत्र की है, जहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार बीनेश कुमार गोटा उम्र 22 वर्ष निवासी तुमसनार की मौके पर ही मौत हो गई । दूसरी घटना पखांजूर थाना क्षेत्र की है, यहां दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिससे एक बाइक में सवार युवक की जान चली गई, जबकि दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं पुलिस मृत युवक की पहचान में जुटी है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे
1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

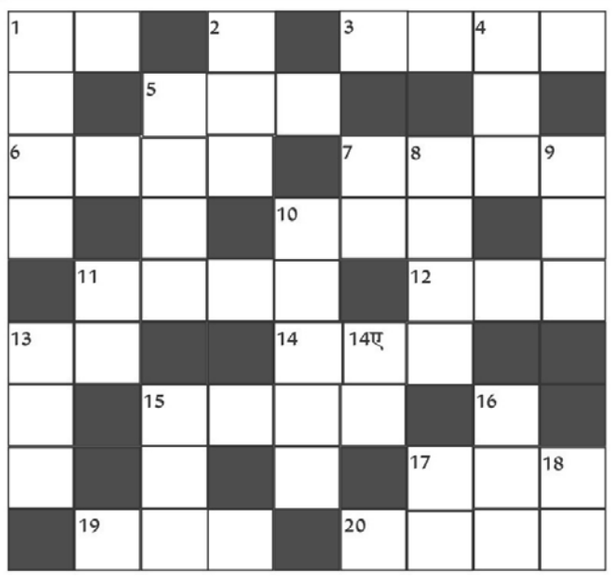

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान ने अलापा पुराना राग, चयनकर्ता आकिब बोले- हम भारत को रौंद देंगे

नई दिल्ली ,20 अगस्त (एजेंसी)। एशिया कप का आयोजन नौ से 28 सितंबर तक यूएई में होना है। पाकिस्तान की टीम एशिया कप में ग्रुप ए में शामिल है जिसमें भारत, ओमान और यूएई भी मौजूद हैं। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में होना है। पाकिस्तान के चयनकर्ता आकिब जावेद ने एशिया कप में भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले दावा किया है कि उनकी टीम आगामी मैच में भारतीय टीम को रौंद देगी। बता दें कि, एशिया कप का आगाज नौ सितंबर से होगा। 14 सितंबर को दोनों टीमों के बीच महामुकाबला खेला जाएगा, जिसके लिए पाकिस्तान की टीम का एलान हो गया। वहीं, भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है।भारत को हरा सकती है पाकिस्तान की टीमभारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान टीम के चयनकर्ता आकिब जावेद ने कहा, पाकिस्तान की टी20 टीम भारत को हरा सकती है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच हमेशा बहुत अहम होते हैं। यह 17 सदस्यीय टीम किसी भी टीम को हरा सकती है। हमें उन पर दबाव नहीं डालना चाहिए, लेकिन मुझे इस टीम से बहुत उम्मीदें हैं।भारत का पाकिस्तान पर दबदबा भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान के खिलाफ दबदबे वाला रिकॉर्ड रहा है। दोनों टीमों के बीच खेले गए 13 मैचों में से भारत ने 10 में जीत हासिल की है। टी20 विश्व कप 2024 के दौरान दोनों टीमों के बीच हुए आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान 120 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहा था और छह रनों से हार गया था। वहीं, भारत एशिया कप का गत विजेता है जिसने 2023 में कम स्कोर वाले फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को हराकर पिछला संस्करण जीता था। बाबर-रिजवान को नहीं मिला मौका पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान सलमान आगा को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम में जगह नहीं मिली है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में बाबर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने तीन मैचों में 56 रन बनाए थे जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 47 रन रहा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान चोटिल हुए फखर जमां को टीम में जगह मिली है। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले सईम अयूब और ऑलराउंडर हसन नवाज भी टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। हालांकि, तेज गेंदबाज नसीम शाह जिन्होंने वेस्टइंडीज दौरे पर सर्वाधिक विकेट लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। बाबर-रिजवान को दरकिनार करने पर क्या बोले जावेद? बाबर और रिजवान को टीम में शामिल नहीं करने पर आकिब जावेद ने कहा, उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि हम उन्हें पूरी तरह से दरकिनार कर रहे हैं। मौजूदा चयन यह दर्शाते हैं कि एक खिलाड़ी कैसे विकसित होता है। मैंने साहिबजद्दा फरहान, सैम और फखर का उदाहरण दिया है। साहिबजद्दा ने वापसी की, सैम ने शुरुआत में संघर्ष किया, लेकिन बाद में उन्होंने प्रभाव छोड़ा। आप किसी भी खिलाड़ी के करियर पर मुहर नहीं लगा सकते। अवसर हमेशा मौजूद रहते हैं। अभी वे बिग बैश और पीएसएल जैसी लीगों में अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। जो अच्छा प्रदर्शन करेगा, वही खेलेगा और केवल वही खेलने का हकदार है जो अच्छा प्रदर्शन करता है।पाकिस्तान की 17 सदस्यीय टीम इस प्रकार है...सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलात, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मोकिम।

पीसीबी ने त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप के लिए टीम घोषित की, बाबर-रिजवान शामिल नहीं, आगा करेंगे कप्तानी

कराची,20 अगस्त (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में बाबर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने तीन मैचों में 56 रन बनाए थे जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 47 रन रहा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान चोटिल हुए फखर जमां को टीम में जगह मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान सलमान आगा को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम में जगह नहीं मिली है। एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला जाना है और बाबर खेल के छोटे प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। ऐसे में उनका टीम में ना होना आश्चर्यजनक फैसला है। वेस्टइंडीज दौरे पर अच्छा नहीं रहा था प्रदर्शनवेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में बाबर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने तीन मैचों में 56 रन बनाए थे जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 47 रन रहा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान चोटिल हुए फखर जमां को टीम में जगह मिली है। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले सईम अयूब और ऑलराउंडर हसन नवाज भी टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। हालांकि, तेज गेंदबाज नसीम शाह जिन्होंने वेस्टइंडीज दौरे पर सर्वाधिक विकेट लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है।

रोहित 45 की उम्र तक खेल सकते हैं, योगराज ने वनडे कप्तान के पांच साल और खेलने का समर्थन किया

नई दिल्ली ,20 अगस्त (एजेंसी)। रोहित के भविष्य पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन योगराज ने रोहित के अगले पांच साल और खेलने का समर्थन किया है। मालूम हो कि रोहित वनडे के अलावा आईपीएल में खेलते हैं।भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है कि रोहित शर्मा उस स्तर के खिलाड़ी हैं जो 45 साल की उम्र तक भी खेल सकते हैं। रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया है, लेकिन वह अभी वनडे में खेलते हैं। इस पर चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित 2027 वनडे विश्व कप तक खेलना जारी रखेंगे? रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते आए थे नजररोहित ने भारत के लिए आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। रोहित के खेलने या नहीं खेलने पर क्रिकेट विशेषज्ञों की अलग राय है क्योंकि उनकी फिटनेस बड़ा मुद्दा रही है। रोहित के भविष्य पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन योगराज ने रोहित के अगले पांच साल और खेलने का समर्थन किया है। मालूम हो कि रोहित वनडे के अलावा आईपीएल में खेलते हैं। योगराज ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए कहा, रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जिसके बारे में कई लोग बकवास करते हैं। वह जिस तरह बल्लेबाजी करते हैं, उसे देखिए। एक तरह उनकी बल्लेबाजी और दूसरी तरफ शेष टीम की बल्लेबाजी। एक तरफ उनकी पारी और दूसरी तरफ दुनिया में किसी अन्य बल्लेबाज

की पारी। यह रोहित का क्लास है। आपको कहना चाहिए कि रोहिच आपकी हमें पांच साल और जरूरत है यार, इसलिए आप देश के लिए और भी योगदान दें। अपनी फिटनेस और सबकुछ पर मेहनत करें। चार आदमी उनके साथ लगाएं और सुबह 10 किमी तक दौड़ें। उनका स्तर ऐसा है कि अगर वह चाहें तो 45 साल की उम्र तक खेल सकते हैं। घरेलू क्रिकेट में खेलने की दी सलाह योगराज ने रोहित से खुद को फिट रखने के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने की सलाह दी है। योगराज ने कहा, मेरा मानना है कि रोहित को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। वह जितना खेलेंगे, उतने ही फिट रहेंगे। फाइनल में कौन प्लेयर ऑफ द मैच रहा था? रोहित शर्मा, इसलिए आपको सिर्फ उसी बारे में बात करनी चाहिए जिसे आप जानते हैं। अगर आपको उनके खेल और फिटनेस के बारे में बात करनी है, तो तभी करें जब आप किसी स्तर पर खेले हों। क्या आपको इस तरह बात करने में शर्म आती है?और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। रोहित के खेलने या नहीं खेलने पर क्रिकेट विशेषज्ञों की अलग राय है क्योंकि उनकी फिटनेस बड़ा मुद्दा रही है। रोहित के भविष्य पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन योगराज ने रोहित के अगले पांच साल और खेलने का समर्थन किया है। मालूम हो कि रोहित वनडे के अलावा आईपीएल में खेलते हैं। योगराज ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए कहा, रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जिसके बारे में कई लोग बकवास करते हैं। वह जिस तरह बल्लेबाजी करते हैं, उसे देखिए। एक तरह उनकी बल्लेबाजी और दूसरी तरफ शेष टीम की बल्लेबाजी। एक तरफ उनकी यह रोहित का क्लास है।रेलू क्रिकेट में खेलने की दी सलाह योगराज ने रोहित से खुद को फिट रखने के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने की सलाह दी है। योगराज ने कहा, मेरा मानना है कि रोहित को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। वह जितना खेलेंगे, उतने ही फिट रहेंगे। फाइनल में कौन प्लेयर ऑफ द मैच रहा था? रोहित शर्मा, इसलिए आपको सिर्फ उसी बारे में बात करनी चाहिए जिसे आप जानते हैं। अगर आपको उनके खेल और फिटनेस के बारे में बात करनी है, तो तभी करें जब आप किसी स्तर पर खेले हों। क्या आपको इस तरह बात करने में शर्म आती है?और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे।

व्यापार

कहां तक पहुंची भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की बात,अमेरिकी टीम की यात्रा टलने के क्या मायने

नई दिल्ली,20 अगस्त (एजेंसी)। प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है और अमेरिकी टीम छठे दौर की बातचीत के लिए भारत आने वाली थी। यह वार्ता 25 से 29 अगस्त के बीच होनी थी। मगर अब यह यात्रा टल गई है।

ट्रंप के टैरिफ के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर चल रही वार्ता रुक गई है। बताया जा रहा है कि अगस्त के अंत में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का भारत का दौरा टलने की संभावना है। कहा जा रहा है कि दौरे को रीशेड्यूल किया जाएगा। ऐसे में व्यापार समझौते को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। अमेरिकी टीम का दौरा ऐसे वक्त में टला है कि जब डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें 25 फीसदी टैरिफ 27 अगस्त से लागू होने वाला है। पांच दौर की वार्ता पूरी

प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है और अमेरिकी टीम छठे दौर की बातचीत के लिए भारत आने वाली थी। यह वार्ता 25 से 29 अगस्त के बीच होनी थी। मगर अब यह यात्रा टल गई है। कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर फंसा पेच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर पेच फसा है। अमेरिका भारत के कृषि और डेयरी जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अधिक बाजार पहुंच की मांग कर रहा है, जिसे भारत सरकार स्वीकार नहीं कर सकती, क्योंकि इससे छोटे किसानों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। भारत ने स्पष्ट कहा है कि वह किसानों और पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं करेगा। व्यापार बढ़ाने की योजना तैयार की थीअमेरिका और भारत ने बीटीए के पहले चरण को 2025 के सितंबर-अक्टूबर तक पूरा करने की योजना बनाई है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जुलाई तक भारत से अमेरिका के लिए निर्यात में 21.64 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 33.53 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि आयात में 12.33 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 17.41 अरब डॉलर तक पहुंचा। पीएम मोदी का स्वदेशी पर जोर ट्रंप के टैरिफ के बीच पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर जनता से स्वदेशी को अपनाने का आह्वान किया। मोदी ने कहा, ‘मैं हर व्यापारी और दुकानदार से अपील करना चाहता हूं कि यह आपकी भी जिम्मेदारी है... मैं चाहता हूं कि दुकानदार और व्यापारी आगे आएं और अपनी दुकानों के बाहर लिखें कि %यहां स्वदेशी माल बिकता है%।’ उन्होंने कहा, ‘हमें स्वदेशी पर गर्व होना चाहिए, हमें स्वदेशी को मजबूरी के कारण नहीं, बल्कि अपनी ताकत के रूप में अपनाना चाहिए।प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है

ओपनएआई के कर्मचारी बेच सकते हैं 525 अरब रुपये के शेयर

नईदिल्ली,20 अगस्त (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी ओपनएआई के वर्तमान और पूर्व कर्मचारी एक निवेशक समूह को लगभग 6 अरब डॉलर (करीब 525 अरब रुपये) मूल्य के शेयरों की बिक्री पर विचार कर रहे हैं। अगर, यह सौदा सफल रहा तो इस एआई स्टार्टअप का मूल्यांकन 500 अरब डॉलर (करीब 43,750 अरब रुपये) हो जाएगा। यह कदम कंपनी के यूजर्स और राजस्व में तेजी से वृद्धि के साथ-साथ एआई कंपनियों के बीच प्रतिभा के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को भी दर्शाता है।रिपोर्ट के अनुसार, संभावित द्वितीयक शेयर बिक्री में 3 निवेश कंपनियां- सॉफ्टबैंक ग्रुप, थ्राइव कैपिटल और ड्रैगनियर इन्वेस्टमेंट ग्रुप शामिल हैं। ये सभी ओपनएआई में मौजूदा निवेशक हैं।रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत अभी शुरुआती चरण में है और बिक्री का अंतिम आकार अलग-अलग हो सकता है। यह संभावित सौदा इस साल की शुरुआत में एआई स्टार्टअप के 40 अरब डॉलर (करीब 3,500 अरब रुपये) के प्राथमिक वित्तपोषण दौर में सॉफ्टबैंक की भागीदारी के बाद हुआ है।द्वितीयक शेयर बिक्री के जरिए स्टार्टअप के कर्मचारियों को एआई उद्योग में चल रही प्रतिभाओं की होड़ के बीच धन-संपन्न होने का मौका देगी। मेटा जैसी कंपनियां ओपनएआई और अन्य स्टार्टअप्स से एआई प्रतिभाओं की भर्ती के लिए भारी वेतन की पेशकश कर रही हैं। इस साल उसके कई कर्मचारी मेटा में शामिल हो गए हैं, जिनमें चैटजीपीटी के सह-निर्माता शेंगजिया झाओ भी शामिल हैं।

ओपनएआई ने भी दिखाई गूगल क्रोम को खरीदने में रुचि, सैम ऑल्टमैन ने की पुष्टि

नईदिल्ली,20 अगस्त (एजेंसी)। गूगल के ब्राउजर क्रोम को खरीदने की चर्चाएं जोरों पर है और इसके लिए कई कंपनियां बोली लगा रही हैं। जल्द ही इनमें ओपनएआई का नाम जुड़ सकता है। कंपनी के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने पुष्टि की है कि अगर अमेरिकी सरकार गूगल को अपना ब्राउजर बेचने के लिए मजबूर करती है तो उनकी कंपनी इसे खरीदने में रुचि रखती है। उन्होंने यह मंशा पेरप्लेक्सिटी की ओर से क्रोम खरीदने की पेशकश करने के कुछ दिन बाद व्यक्त की है।रिपोर्ट के अनुसार, सैम ऑल्टमैन ने कहा, यदि गूगल क्रोम वास्तव में बिकने वाला है तो हमें इस पर विचार करना चाहिए। ओपनएआई के सीईओ ने आगे कहा, क्या यह वाकई बिकेगा? मुझे लगा था कि ऐसा नहीं होगा। दूसरी तरफ कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह स्टार्टअप अपना खुद का एआई ब्राउजर बना रहा है। ऑल्टमैन ने पुष्टि की कि कंपनी चैटजीपीटी के अलावा कई एप्लिकेशन पर भी काम कर रही है।ऑल्टमैन ने यह भी कहा कि ओपनएआई एक नए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की खोज में रुचि रखता है। उन्होंने कहा कि आजकल सोशल मीडिया पर एआई के इस्तेमाल के तरीके में उनके लिए कुछ भी प्रेरणादायक नहीं है। कंपनी चाहती है कि क्या एआई के साथ एक बेहतर सोशल अनुभव बनाना संभव है या नहीं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि कंपनी एलन मस्क के न्यूरालिंक से मुकाबला करने के लिए मर्ज लैब्स नामक न्यूरल इंटरफेस स्टार्टअप का समर्थन करेगी।क्रोम को बेचने की चर्चा पिछले साल गूगल के अमेरिका में एक अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद शुरू हुई। न्यायाधीश ने फैसला सुनाया था कि इस तकनीकी दिग्गज ने ऑनलाइन सर्च बाजार पर अवैध रूप से एकाधिकार कर लिया है। सुधारात्मक उपायों के तहत न्याय विभाग ने सुझाव दिया है कि प्रतिस्पर्धा के स्तर को समान बनाने के लिए क्रोम को एक स्वतंत्र संस्था को बेच दिया जाए। इसके बाद कई कंपनियां इसे खरीदने के लिए बोली लगा रही हैं।कंपनी चाहती है कि क्या एआई के साथ एक बेहतर सोशल अनुभव बनाना संभव है या नहीं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि कंपनी एलन मस्क के न्यूरालिंक से मुकाबला करने के लिए मर्ज लैब्स नामक न्यूरल इंटरफेस स्टार्टअप का समर्थन करेगी।क्रोम को बेचने की चर्चा पिछले साल गूगल के अमेरिका में एक अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद शुरू हुई। न्यायाधीश ने फैसला सुनाया था ।

सेबी में बढ़ीं निपटान याचिकाएं, इस वित्त वर्ष में 703 आवेदन दायर किए गए, 284 का निपटारा हुआ

नई दिल्ली ,20 अगस्त (एजेंसी)। बाजार नियामक सेबी के सामने पेश निपटान याचिकाओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रतिभूति मानदंडों के उल्लंघन के निपटान के लिए सेबी को 703 आवेदन प्राप्त हुए। जिससे पता चलता है कि लंबी मुकदमेबाजी प्रक्रियाओं से गुजरे बिना विवादों को सुलझाने की प्रवृत्ति में तेजी देखी जा रही है। लंबी मुकदमेबाजी से बचने के लिए दायर होती हैं निपटान याचिकाएं वित्त वर्ष 2023-24 में, सेबी को 434 निपटान याचिकाएं प्राप्त हुई थीं। सेबी की 2024-25 वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में मिले 703 निपटान आवेदनों में से, नियामक ने उचित निपटान आदेश पारित करके 284 आवेदनों का निपटारा कर दिया, जबकि अन्य 272 आवेदन वापस कर दिए गए, या अस्वीकार कर दिए गए या वापस ले लिए गए। दरअसल सेबी की निपटान संस्था, लंबी मुकदमेबाजी में उलझे बिना, निपटान शुल्क का भुगतान करके और कुछ शर्तों का पालन करके मामलों का समाधान करने की अनुमति देता है।सेबी को निपटान तंत्र से मिले 798 करोड़ रुपयेगौरतलब है कि निपटाए गए 284 आवेदनों के लिए सेबी ने निपटान शुल्क के रूप में 798 करोड़ रुपये और करीब 65 करोड़ रुपये बतौर वसूली शुल्क वसूले। ये निपटान आदेश विभिन्न नियमों के कथित उल्लंघनों के लिए जारी किए गए थे, जिनमें भेदिया व्यापार, धोखाधड़ीपूर्ण व्यापार व्यवहार, वैकल्पिक निवेश कोष, म्यूचुअल फंड और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक आदि शामिल हैं। निपटान मामलों के साथ-साथ, सेबी ने कई अपीलों का भी निपटारा किया। 2024-25 में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में नियामक से संबंधित कुल 533 नई अपीलें दायर की गईं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह संख्या 821 थी। निपटाई गई अपीलों में से अधिकतर लगभग 62 प्रतिशत, धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार व्यवहार निषेध (पीएफयूटीपी) विनियम, 2003 के उल्लंघन से संबंधित थीं।लंबी मुकदमेबाजी से बचने के लिए दायर होती हैं निपटान याचिकाएं वित्त वर्ष 2023-24 में, सेबी को 434 निपटान याचिकाएं प्राप्त हुई थीं। सेबी की 2024-25 वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में मिले 703 निपटान आवेदनों में से, नियामक ने उचित निपटान आदेश पारित करके 284 आवेदनों का निपटारा कर दिया, जबकि अन्य 272 आवेदन वापस कर दिए गए, या अस्वीकार कर दिए गए या वापस ले लिए गए। दरअसल सेबी की निपटान तंत्र संस्था, लंबी मुकदमेबाजी में उलझे बिना, निपटान शुल्क का भुगतान करके और कुछ शर्तों का पालन करके मामलों का समाधान करने की अनुमति देता है।सेबी को निपटान तंत्र से मिले 798 करोड़ रुपयेगौरतलब है कि निपटाए गए 284 आवेदनों के लिए सेबी ने निपटान शुल्क के रूप में 798 करोड़ रुपये और करीब 65 करोड़ रुपये बतौर वसूली शुल्क वसूले। ये निपटान आदेश विभिन्न नियमों के कथित उल्लंघनों के लिए जारी किए गए थे, जिनमें भेदिया व्यापार, धोखाधड़ीपूर्ण व्यापार व्यवहार, वैकल्पिक निवेश कोष, म्यूचुअल फंड और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अपीलों का भी निपटारा किया। 2024-25 में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में नई अपीलें दायर की गईं।

रजगामार खदान में उत्पादन के लिए पहुंची 2 कंटीन्यूस माइनर मशीन

अक्टूबर से उत्पादन शुरू करने की तैयारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल खुली खदानों के साथ ही अंडरग्राउंड माइंस से कोयला उत्पादन बढ़ाने नई तकनीक पर जोर दे रहा है। इसी कड़ी में कंटीन्यूस माइनर मशीन का सहारा भूमिगत खदानों में लिया जाएगा। कंपनी 58 मशीन उतारने की तैयारी कर चुका है। कोरबा एरिया अन्तर्गत रजगामार भूमिगत खदान में नई तकनीक से कोयला उत्पादन के लिए 2 कंटीन्यूस माइनर मशीन पहुंच चुकी है। यहां कुल 7 मशीनों को उतारा जाना है। जल्द शेष 5 मशीनें भी रजगामार पहुंच जाएंगी। प्रबंधन अक्टूबर से कोयला उत्पादन की तैयारी में जोर शोर से जुटा हुआ है।

साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की पिछले 11 वर्षों से बंद रजगामार की 6-7 नंबर भूमिगत कोयला खदान से पुनः उत्पादन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसईसीएल की रजगामार स्थित 6-7 नंबर भूमिगत खदान को वर्ष 2014 में केंद्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय से अनुमति नहीं मिलने की वजह बंद करना पड़ा। इसे एक बार फिर शुरू करने की कवायद की जा रही। खदान में कंटीन्यूस माइनर मशीन से कोयला उत्पादन किया जाएगा। जेनवेल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी कंटीन्यूस माइनर मशीनों का संचालन करेगी। कंपनी के पचास कर्मचारी इसमें नियोजित होंगे। शेष एसईसीएल के कर्मियों को काम पर लगाया जाएगा। जल्द ही कंटीन्यूस माइनर मशीन को खदान में उतारकर कोयला उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। प्रबंधन 1 अक्टूबर से उत्पादन शुरू करने की तैयारी में जुटा हुआ है। खान प्रबंधक, सब एरिया मैनेजर व उनकी टीम के साथ जेनवेल कंपनी के अधिकारी मोर्चा संभाले हुए हैं। एरिया में वर्तमान एसईसीएल के लगभग 200 कर्मचारी नियोजित हैं। यहां उत्पादन शुरू होने के बाद 60-70 कर्मियों की और आवश्यकता होगी। रजगामार खदान के बंद होने से क्षेत्र विरान हो गया था। माना जा रहा है कि खदान के पुनः उत्पादन में लौट आने के बाद एरिया में भी रौनक लौटेगी।

खदान में उत्कृष्ट कोयले का भंडार

जानकार बताते हैं कि एसईसीएल की गेवरा, दीपका, कुसमुंडा व मानिकपुर खुली खदान से उत्पादित कोयले के मुकाबले रजगामार भूमिगत खदान का कोयला उत्कृष्ट है। इस कोयले का ताप अधिक होता है व राख कम निकलता है। खदान में दस से पन्द्रह साल के कोल भंडार की मौजूदगी का पता चला है।

निकलेगा प्रतिदिन 12 सौ टन से अधिक कोयला

कंटीन्यूस माइनर मशीनों की खासियत है कि 24 घंटे में 12 सौ से 17 सौ टन कोयले का उत्पादन किया जा सकता है। खदान में अभी भी पर्याप्त मात्रा में कोयला का भंडार है। खदान में सात कंटीन्यूस माइनर मशीनों से उत्पादन किया जाएगा। दो मशीनें पहुंच चुकी है, पांच का आना शेष है।

ग्राम सभा से मिल चुकी है एनओसी

बंद खदान को शुरू करने पहले ही ग्राम सभा का आयोजन किया गया था। वन भूमि का गैर वानिकी प्रयोजन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना होता है। इसके लिए बुलाई गई सभा में प्रबंधन ने अनुसूचित जनजाति व अन्य परंपरागत वन निवासी अधिनियम 2006 के तहत अनुमति ली थी। इस दौरान किसी भी वनवासी की भूमि में पट्टा नहीं दिए जाने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही खदान शुरू करने पर सहमति बन गई थी।

कंटीन्यूस माइनर मशीन का ऐसे होता है इस्तेमाल

अभी भूमिगत खदानों में कोयला खनन के लिए ब्लॉस्टिंग किया जाता है। इसके लिए बारुद और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया जाता है। ब्लॉस्टिंग कर तोड़े गए कोयले को साइड डिस्चार्ज मशीन (एसडीएल) या लोड हॉल डंप (एलएसडी) के जरिए फेस से उठाकर कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से खदान के बाहर कोयला निकाला जाता है। कंटीन्यूस माइनर मशीन के इस्तेमाल से अंडरग्राउंड खदानों में ब्लॉस्टिंग बंद हो जाती है। कंटीन्यूस माइनर मशीन फेस पर पहुंचकर कोयले को काटेगी और इसे एकत्र कर कन्वेयर बेल्ट पर डाल देगी। कटिंग के दौरान मशीन पानी का इस्तेमाल करेगी। फेस को हमेशा गीला रखेगी। इससे खदान में कोल डस्ट की समस्या कम होगी। उत्पादन में तेजी आएगी।

नकटीखार जंगल में मिला अज्ञात युवक का शव

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नकटीखार जंगल में पिकनिक स्पॉट के पास 30-35 वर्षीय युवक की लाश संदिग्ध हालत में मिली है। जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सिविल लाइन थाना पुलिस और फोरेंसिक एक्सपर्ट ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की हैं।सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत नकटीखार गांव से लगे पिकनिक स्पॉट के पास मंगलवार की देर शाम एक युवक लाश देखे जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कार्रवाई शुरू कर दी।। मृतक कौन है और कहां का रहने वाला है। इस बात का पता नहीं चल सका है। पुलिस पहचान में जुटी है। वहीं आसपास के लोगों और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है।

युवती ने खुद पर किए ब्लेड से कई वार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मिशन रोड स्थित श्याम मंदिर के पास एक युवती ने खुद को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। घटना एटीएम के बाहर की है। युवती काफी देर से मोबाइल पर बात करते हुए इधर-उधर घूम रही थी।अचानक उसने ब्लेड निकाला और अपने दाएं हाथ पर कई बार वार कर दिए। इससे वह बेहोश होकर गिर पड़ी। राहगीरों ने तुरंत 112 को सूचना दी। लोगों ने युवती से नाम पूछने की कोशिश की, लेकिन वह सिर्फ अपना पता कटघोरा बता पाई। युवती को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज जारी है। उसकी उम्र करीब 20-21 साल बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार युवती को पहली बार इस इलाके में देखा गया। वह बस या ऑटो से उतरकर मोबाइल पर बात करते हुए वहां आई थी।

सोसायटी के शासकीय खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी

स्व सहायता समूह अध्यक्ष, सचिव सहित तीन पर अपराध दर्ज

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विभाग को शासकीय खाद्यान्न वितरण में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। जांच में गड़बड़ी की पुष्टि हुई। मामले में पुलिस ने 10 लाख 89 हजार रुपए के सरकारी राशन घोटाले के मामले में स्व सहायता समूह के अध्यक्ष, सचिव सहित तीन पर अपराध दर्ज किया है।

खाद्य विभाग को विकासखंड पाली के ग्राम परसदा में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान से राशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। इस पर विभाग ने जांच शुरू की थी। इस दौरान टीम ने भौतिक सत्यापन की कार्रवाई की। राशन स्टॉक पंजी की जांच की, तब टीम को राशन वितरण में गंभीर अनियमितता मिली। जांच के दौरान टीम को दुकान में 258.64 क्विंटल चावल और 3.30 क्विंटल शक्कर कम मिला। यह भी पाया गया कि दुकान संचालकों के द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को राशन वितरण नहीं किया गया, बल्कि खाद्यान्न की कालाबाजारी की गई। वहीं शासन को 4163.76 रुपए प्रति क्विंटल चावल एवं 4034.22 रुपए प्रति क्विंटल शक्कर की दर से कुल 10 लाख 89 हजार 969 रुपए 17 पैसे का नुकसान हुआ है। इस संबंध में खाद्य निरीक्षक संतोष कुमार कंवर ने जांच प्रतिवेदन एसडीएम को उपलब्ध कराया। जांच प्रतिवेदन के आधार पर पाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले में पीडीएस संचालक गणेश स्व सहायता समूह परसदा की अध्यक्ष लछनबाई श्याम, सचिव मीना बाई राजपूत व विक्रेता झनक देवी राजपूत पर एफआईआर दर्ज किया है।

वादाखिलाफी को लेकर महासंघ ने लिया आंदोलन का निर्णय

छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ के नवगठित प्रदेश कार्यसमिति की प्रथम बैठक सम्पन्न

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ के त्रयोदश द्विवार्षिक प्रांतीय अधिवेशन के पश्चात नवगठित प्रदेश कार्यसमिति की पहली बैठक रायपुर में संपन्न हुई। बैठक आंदोलन का निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष संजय तिवारी के द्वारा किया गया। संचालन महामंत्री नवरतन बरेठ के द्वारा किया गया। बैठक में विशेष रूप से भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री व विद्युत प्रभारी राधेश्याम जायसवाल, अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के उप महामंत्री हरीश चौहान, कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, प्रदेश महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष तेज प्रताप सिन्हा मंच पर मंचस्थ रहे। बैठक में प्रदेश भर के सभी क्षेत्र से प्रदेश कार्य समिति के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य व ठेका प्रभारी द्वय शामिल हुए। बैठक में महामंत्री प्रतिवेदन, कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय प्रतिवेदन, क्षेत्रीय सचिव के प्रतिवेदन के पश्चात वर्ष 2025 की सदस्यता अभियान एवं पूरे प्रदेश में प्रवास कार्यक्रम तय करते हुए महासंघ के पूर्व स्थगित आंदोलन को पुनः प्रारंभ करने के विषय पर चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।आगामी 29 अगस्त को जिला स्तर में कलेक्टर के माध्यम से व क्षेत्रीय मुख्यालयों में प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। दूसरे चरण में पूरे प्रदेश में जन जागरण एवं संपर्क अभियान किया जाएगा तत्पश्चात 1अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक सभी अपने कार्यक्षेत्र में काली पट्टी लगाकर एवं नारेबाजी के साथ विरोध प्रदर्शन करेंगे। आगामी 9 अक्टूबर को प्रदेश स्तर में एकदिवसीय विशाल रैली एवं धरना-प्रदर्शन के साथ पावर कंपनी मुख्यालय का घेराव किया जाने का निर्णय लिया गया। जिस पर 18 अगस्त को पावर कंपनी प्रबंधन को नोटिस प्रेषित कर दी गई है। नोटिस में महासंघ के द्वारा कहा गया है कि यदि समय रहते पावर कंपनी द्वारा किए गए आश्वासन के अनुरूप सकारात्मक परिणाम नहीं आए, तो महासंघ द्वारा अल्प सूचना पर और व्यापक आंदोलन किए जाने बाध्य होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की होगी।

कार्य समिति बैठक में निर्णय लिया गया कि आंदोलन की तैयारी के दृष्टि से पदाधिकारी को सभी क्षेत्रों में प्रभारी नियुक्त कर व्यापक रूप से प्रवास किया जाएगा। कार्य समिति बैठक में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री और विद्युत प्रभारी श्री जायसवाल द्वारा आंदोलन, प्रवास तथा सदस्यता को लेकर विशेष रूप से मार्गदर्शन दिया गया। बैठक को अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के उप महामंत्री हरीश चौहान, प्रदेश महासंघ के पूर्व अध्यक्ष व विशेष आमंत्रित बी एस राजपूत, भारतीय मजदूर संघ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष नरोत्तम धृतलहरे द्वारा भी संबोधित कर मार्गदर्शन दिया गया। बैठक के अंत में कार्यकारी अध्यक्ष तेज प्रताप सिन्हा के द्वारा आभार प्रदर्शन करते हुए बैठक के समापन की घोषणा की गई।

दो दोस्त हुए मारपीट का शिकार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। करतला क्षेत्र के केराकछार में मेला देखने गए दो दोस्तों के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की है। घटना में एक बहोश हो गया। इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में मारपीट का केस दर्ज किया है। ग्राम रामपुर निवासी रतन राठिया दोस्त रामप्रसाद राठिया के साथ केराकछार मेला घूमने गए थे। रतन का आरोप है कि मेला में नोनदरहा निवासी तुलेश्वर राठिया अन्य साथी धक्का-मुक्की कर रहे थे। मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट किया। पुलिस ने मामले में विवेचना शुरू कर दी है।

डेढ़ साल बाद भी मड़वारानी रेलवे स्टेशन में निर्माण कार्य नहीं हुआ पूर्ण

निर्माण और विस्तार की धीमी गति से यात्री परेशान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है। इसी कड़ी में मड़वारानी रेलवे स्टेशन में भी काम किया जा रहा है। यहां निर्माण और विस्तार का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। मड़वारानी रेलवे स्टेशन में डेढ़ साल से निर्माण कार्य जारी है, लेकिन अभी तक काम पूरा नहीं हो सका है। इससे यात्रियों का काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत भारत मिशन अंतर्गत कोरबा के साथ ही मड़वारानी रेलवे स्टेशन का विस्तार और निर्माण कार्य जारी है। इसके अंतर्गत नया भवन, प्लेटफार्म नंबर एक की ऊंचाई बढ़ाने, प्लेटफार्म नंबर तीन का विस्तार के साथ ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। यह कार्य एक निजी ठेका कंपनी को दिया गया है, लेकिन ठेका कंपनी द्वारा कार्य काफी धीमी गति से किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने निर्माण और विस्तार का कार्य लगभग डेढ़ साल पूर्व शुरू किया था, लेकिन इनमें से अभी तक कोई भी कार्य पूरा नहीं किया जा सका है। स्टेशन में फुट ओवरब्रिज के लिए बिंब खड़ी की जा चुकी है। इसकी वजह से प्लेटफार्म पर निर्माण सामाग्री पड़ी हुई है। इससे

प्लेटफार्म में यात्रियों को काफी असुविधा हो रही है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यात्रियों को राहत मिलेगी, लेकिन प्रबंधन की ओर से ठेका कंपनी पर कार्रवाई को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। मड़वारानी रेलवे स्टेशन की प्लेटफार्म की ऊंचाई वर्तमान में कम है। इसकी वजह से यात्रियों को यात्री ट्रेन से उतरने व चढ़ने में काफी असुविधा हो रही है। यात्रियों की लंबे समय से प्लेटफार्म की ऊंचाई को बढ़ाने की मांग की जा रही थी। मड़वारानी रेलवे स्टेशन में वर्तमान में दो ही प्लेटफॉर्म है। कोरबा रेलखंड में कोयला लदान का सबसे अधिक दबाव है। रेल लाइन से कई बार मालगाड़ी गुजरने पर यात्री ट्रेनों को आउटर में खड़ी कर दी जाती है। मालगाड़ी के आगे बढ़ने के बाद यात्री ट्रेन को प्लेटफार्म में लाया जाता है। तीसरे प्लेटफार्म का निर्माण होने से रेल लाइन पर यातायात का दबाव कम होगा। इससे यात्री ट्रेनों की लेटलतीफी में कमी आएगी।

स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल से चरमराई व्यवस्था

कई स्वास्थ्य केंद्रों में लटक रहे हैं ताले, तीसरे दिन भी हड़ताल में डटे रहे कर्मी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वेतन बढ़ोत्तरी सहित अन्य मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों की हड़ताल का कोरबा में असर दिखने लगा है। तीसरे दिन भी कई स्वास्थ्य केंद्रों में ताले लटके रहे। दफ्तर में काम करने वाले कर्मचारी भी नहीं पहुंचे। मांगों के समर्थन में 750 कर्मचारियों ने खुद को स्वास्थ्य विभाग के कार्यों से दूर रखा। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तो व्यवस्था चरमराने लगी है ।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत संविदा अधिकारी व कर्मचारी सोमवार से हड़ताल पर चले गए हैं। 10 सूत्रीय मांगों के समर्थन में घंटाघर चौक पर प्रदर्शन किया जा रहा है। मांगों के समर्थन में कर्मचारियों ने नारेबाजी की।एनएचएम के संविदा पद पर कार्यरत डॉक्टर, नर्स स्टॉफ, लैब टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, काउंसलर, आरएमए, एएनएम सहित 750 से अधिक स्वास्थ्य कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं पहुंच रहे हैं। इससे कई शहरी और

ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (स्वास्थ्य केंद्र) में ताला लटका रहा, तो कई स्वास्थ्य केंद्र खुले, लेकिन यहां डॉक्टर, लैब टेक्निशियन, स्टॉफ नर्स नहीं थे। इसकी वजह से मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिला और उन्हें लंबी दूरी तय कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल कोरबा और नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचना पड़ा। इससे दिन चढ़ने के साथ ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ती चली गई। दोपहर लगभग 12 बजे ओपीडी पर्ची काउंटर के सामने मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। ओपीडी पर्ची के लिए मरीज और उनके परिजन लंबी कतार में खड़े होकर एक से डेढ़ घंटे तक पर्ची लेने के लिए इंतजार करते रहे। लेकिन कुछ विभाग में डाक्टर नहीं होने की वजह से दूसरे विभाग के डॉक्टर के पास प्राथमिक उपचार की सलाह ली। वहीं दवाई वितरण काउंटर में भी मरीज और परिजनों की लंबी कतार ने लोगों को परेशान किया। इस दौरान मरीज और परिजनों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। इसी तरह की स्थिति पुराना शहर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी रही। हड़ताल जारी रही तो इसका और असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ना तय माना जा रहा है।

दहेज में मांगी बाइक, पति सहित तीन पर एफआईआर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बालकोनगर क्षेत्र अंतर्गत दहेज में बाइक मांगने का मामला सामने आया है।नवविवाहिता ने पति सहित तीन ससुरालियों पर केस दर्ज कराया है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले में दहेज प्रताड़ना का अपराध दर्ज किया है। बेलगरी बस्ती में रहने वाली भारती जायसवाल की शादी इसी साल 20 फरवरी को मोहल्ले में रहने वाले अमित जायसवाल के साथ हुआ था।नवविवाहिता का आरोप है कि शादी के कुछ ही दिन बाद पति दहेज बाइक नहीं देने और अन्य सामान की गुणवत्ता पर सवाल उठाकर प्रताड़ित करने लगे। वहीं पिता से बाइक के एक लाख 20 हजार रुपए मांगकर लाने की बात कही। ताकि इसी रुपए से बाइक खरीद सके। महिला का आरोप है कि रुपए लाने से मना करने पर पति ने 22 मई को पति ने उसका गला दबाया और चार घंटे तक दरवाजा बंद करके रखा गया। इस दौरान समझाइश के बाद कुछ दिनों तक स्थिति ठीक रही। भारती ने बताया कि 17 अगस्त को फिर से उसके पति ने दहेज को लेकर प्रताड़ित किया और बाल पकड़कर मारपीट किया। प्रताड़ित होकर नवविवाहिता ने इसकी जानकारी परिवार को दी। परिवार के साथ थाना पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तीन लोगों ने मिलकर सुपरवाइजर को पीटा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मानिकपुर साइडिंग में कोयला लोड वाहन को कांटाघर में वजन करते समय तीन लोगों ने मिलकर सुपरवाइजर से मारपीट कर दी। घटना में सुपरवाइजर को चोटें आई है। पीड़ित ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अमरैय्यापारा निवासी मुकेश कुमार सिन्हा मां पार्वती ट्रांसपोर्ट कंपनी में सुपरवाईजरी करता है। रविवार सुबह 10 बजे वह मानिकपुर रेलवे साइडिंग कांटाघर के पास कंपनी का ट्रेलर को काटा करवाने के लिए कांटाघर के पास खड़ा था। तौल के दौरान वाहन में लगभग छह से सात सौ किलोग्राम कोयला वजन कम हो रहा था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ और आरोपियों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-